



DEEN DAYAL AFFORDABLE PLOTS

(Under Deen Dayal Jan Awas Yojna 2016, Govt. of Haryana)

RERA REGISTRATION NO. HRERA-PKL-SNP-803-2025
https://haryanarera.gov.in/view_project/searchprojectDetail/3778
Project Name: ALAN CITY | Developer: Jagramm Infratech LLP

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सेक्टर-7, खरखोदा, सोनीपत, हरियाणा (मारुति सुजुकी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के नजदीक) में दीन दयाल जन आवास योजना के तहत आवासीय भूखंड (हरियाणा सरकार की अफोर्डेबल प्लॉटेड कॉलोनी DDJAY-2016 के तहत) पंजीकरण के लिए खुली हैं। विवरण वेबसाइट www.deendayalaffordableplots.com पर उपलब्ध है।

Affordable Residential Plots

(Free Hold Residential Plots With Registry)

Kharkhoda, Sonipat

KMP HIGHWAY - 1 MIN

MEERUT KHARKHODA HIGHWAY (334 B) - 5 MIN

DELHI - 20 MIN II DELHI KATRA EXP. WAY - 7 MIN

ONLY 20 PLOTS AVAILABLE FOR REGISTRATION

33% PLOTS RESERVED FOR FEMALES AND GOVERNMENT EMPLOYEES

₹65000
Per SQ.YD.1 LAKH+ UPCOMING JOBS Within
10mins Distance

40+ BIG COMPANIES NEAR BY

MARUTI SUZUKI MANUFACTURING PLANT - 800 ACRES

IMT INDUSTRIAL MODEL TOWNSHIP - 3200 ACRES

UNO MINDA MOTHERSON

JBM BHARAT SEATS

शुरुआती मूल्य
₹ 84.59 Lakh*आवेदन की अंतिम तिथि
23-08-2026आवंटन की तिथि
25-08-2026

आवेदन करने के लिए भुगतान (100% रिफंडेबल) ₹ 21,000 मात्र

Area in (Sq.Yd.)	Area in (Sq.Mtr.)	Rate per (Sq.Yd.)	Registration Amount	10% Within 5 Days	20% Within 30 Days (Bank Loan Available*)	70% As per Construction Linked (Bank Loan Available*)	Total Cost*
130.15	108.82	₹ 65,000	₹ 21,000	₹ 8,24,975	₹ 16,91,950	₹ 59,21,825	₹ 84,59,750
161.28	134.85	₹ 65,000	₹ 21,000	₹ 10,27,320	₹ 20,96,640	₹ 73,38,240	₹ 1,04,83,200

*PLC & Govt. Charges as Applicable

Registration of builder buyer agreement is mandatory after making a total payment of 10%

1 Sq. Mtr. = 1.196 Sq. Yd.

CONNECTIVITY



INDUSTRIAL HUB



EDUCATIONAL HUB



Gated Community



Commercial Area



24*7 Water Supply



CCTV Surveillance



Green Park



Kids Play Area



Street Light

Loan Available
from
Leading Banks

हेल्पलाइन नं. : +91-7065-591-591

Register Online: www.deendayalaffordableplots.com

SCAN TO APPLY

Disclaimer: All images and visuals are artistic impressions used solely for representational purposes. This advertisement does not constitute a legal offer or commitment. Project specifications, features, layouts, and timelines are subject to change without prior notice at the discretion of the developer or due to regulatory requirements. Travel times mentioned are approximate and may vary depending on traffic and local conditions. Terms & Conditions apply.

ख़बर संक्षेप

राज्य स्तरीय स्कूली कबड्डी स्पर्धा शुरू
चंडीगढ़। शिक्षा मंत्री महोपाल दांडा ने शनिवार को चरखी दादरी के केप्टन जिले सिंह स्कूल में 59वाँ तीन दिवसीय राज्य स्तरीय स्कूली कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों की अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग की टीमें हिस्सा ले रही हैं। दांडा ने कहा कि शिक्षा के साथ खेल भी जीवन का अहम हिस्सा है। कैद की 'खेलो इंडिया' पहल और हरियाणा की खेल नीति से खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिल रहे हैं।

नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया

गुरुग्राम। भारतीय जवान-किसान पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन नई दिल्ली के झरका स्थित होटल एप्पल ट्री ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। अधिवेशन में नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। गुरुग्राम निवासी अधिवक्ता डॉ. नरेश कुमार राघव को राष्ट्रीय अध्यक्ष, दिलीप कुमार सिंह को राष्ट्रीय महासचिव और प्रीतम कुमार को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।पार्टी ने भ्रष्टाचार-मुक्त, न्यायपूर्ण और सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प दोहराया। पार्टी नेताओं ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पूर्व सैनिकों, किसानों, युवाओं, महिलाओं और मजदूरों के हितों को लेकर भी पार्टी प्रतिबद्धता जताई।

फरीदाबाद सड़क हादसे में जीजा-साले की मौत
फरीदाबाद। फरीदाबाद में दिल्ली-आगरा हाईवे पर शनिवार शाम हुए सड़क हादसे में जीजा-साले की मौत हो गई। सराय ख्वाजा टोल प्लाजा के पास एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद वाहन ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान राजस्थान के दौसा जिले के गुर्जर बैराला गांव निवासी गोलू और उत्तर प्रदेश के खुर्जा निवासी प्रिंस के रूप में हुई है। दोनों दिल्ली के मोलडुबद इलाके में परिवार के साथ रह रहे थे। शनिवार शाम करीब 5 बजे दोनों बाइक से फरीदाबाद की तरफ आ रहे थे।

सफाई कर्मचारियों की मांगें तुरंत माने सरकार

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने प्रदेश में कई दिनों से सफाई कर्मचारियों की चल रही हड़ताल का समर्थन करते हुए उनकी सभी मांगों को जायज बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की सफाई कर्मचारियों के साथ की गई वादा खिलाफ किसी सूत्र में बदौलत नहीं की जाएगी। दिग्विजय ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, ठेका प्रथा समाप्त करने, पक्की भर्तियां, समान काम के लिए समान वेतन सहित अन्य सभी मांगों को सफाई कर्मचारियों के हक में तुरंत पूरा किया जाया। शनिवार को भिवानी में सफाई कर्मचारी यूनियन का एक प्रतिनिधिमंडल दिग्विजय चौटाला से मिला।

गुरुग्राम में सीएम के काफिले में सुरक्षा की चूक का मामला दो डीसीपी को नोटिस, एसएचओ समेत 18 पुलिसकर्मी सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज़►► गुरुग्राम
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के गुरुग्राम दौरे के दौरान उनके काफिले के सामने प्रदर्शनकारियों के पहुंचने और वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था में व्यवधान के मामले में गुरुग्राम पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज ने कड़ा एक्शन लिया है। सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी तय करते हुए क्राइम व वेस्ट जोन के दो डिट्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं सिविल लाइंस थाना प्रभारी, सिन्धोरिटी इंचार्ज समेत 18

घनौर में तीज महोत्सव पर सीएम नायब सैनी का भगवंत मान सरकार पर हमला पंजाब के सीएम केवल चुटकुले सुनाकर कर रहे टाइम पास

- नायब सैनी ने भगवंत मान से पूछा- महिलाओं और युवाओं से किए वादों का क्या हुआ
- पंजाब की मातृशक्ति को दिया आत्मनिर्भरता और नशामुक्ति का संदेश
- पंजाब की जनता भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी

हरिभूमि ब्यूरो ►► चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर शिष्टाान साधते हुए कहा कि वह केवल चुटकुले सुनाकर अपना टाइम पास कर रहे हैं। उन्होंने भगवंत मान से पूछा कि आम आदमी पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान महिलाओं और युवाओं से जो वादे किए थे, उनका क्या हुआ? नायब सैनी शनिवार को पंजाब के पटियाला जिले के घनौर कस्बे में आयोजित तीज महोत्सव में पंजाब की मातृशक्ति को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन सरकार को बने करीब पांच



तीज कार्यक्रम के बाद बच्चियों को आशीर्वाद देते सीएम

साल होने वाले हैं और अब अगले चुनाव सिर पर हैं। इसके बावजूद मुख्यमंत्री मंच से महिलाओं से पूछ रहे हैं कि एक महीने के पैसे खाते में डालू या दो महीने के या तीन महीने के। उन्होंने कहा कि यह मजाक नहीं तो और क्या है?मुख्यमंत्री ने पंजाब की कानून-व्यवस्था और रोजगार के मुद्दे पर भी भगवंत मान सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि खराब कानून-व्यवस्था के कारण उद्योग पंजाब से पलायन कर रहे हैं, जिससे युवाओं के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो रहा है। हताश और निराश युवा नरेश के दलदल में फंस्ते जा रहे हैं।

बदलाव के लिए तैयार महिलाएं

नायब सैनी ने कहा कि पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी ने पंजाब की जनता को गुमराह करके वोट हासिल किए थे, लेकिन इस बार लोग पूरी तरह जागरूक हैं। विशेषकर माताएं-बहनें बदलाव के लिए तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि महिलाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर पंजाब में भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब का युवा वर्ग भी अब भाजपा की सरकार बनाने के पक्ष में है।

पंजाब को डबल इंजन सरकार की जरूरत

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब की ऐसी डबल इंजन सरकार की जरूरत है, जो जनहित में निर्णायक फैसले ले और वादे पूरे करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा पंजाब को विकसित राज्य बनाने के लिए काम करेगी। सैनी ने चंडीगढ़ स्थित आवस पर पंजाब के वाल्मीकि और सिख समुदाय के प्रतिनिधियों को संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस नेता रणदीप सिंह शिल समर्थकों सहित भाजपा में शामिल हुए। हरियाणा सरकार की उपनिधियां विनाते हुए कहा कि चुनावी संकल्प-पत्र के 217 में से 70 वादे 18 माह में पूरे किए गए हैं।

►► एनएचएम की कार्यकारी समिति की बैठक में बोलीं डॉ. सुमिता मिश्रा मां-बच्चे की सेहत के लिए मेगा प्लान

हरिभूमि ब्यूरो ►► चंडीगढ़

हरियाणा में मातृ, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत किया जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने अधिकारियों को 8 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) विंग के निर्माण में तेजी लाने तथा 1 नवंबर तक सभी विशेष नवजात देखभाल इकाइयों (एसएनसीयू) को मदर-न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) में बदलने के निर्देश दिए हैं। डॉ. मिश्रा ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की राज्य स्वास्थ्य समिति की कार्यकारी समिति की

तीज हरियाणा-पंजाब की सांझी संस्कृति का प्रतीक

नायब सैनी ने तीज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार केवल सावन की हरियाली और खुशियों का पर्व नहीं, बल्कि सुहाग, सौभाग्य, प्रेम, श्रद्धा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तीज हरियाणा और पंजाब की सांझी संस्कृति, बहनों-बेटियों के प्रेम और दोनों राज्यों की सांझी मिट्टी की आत्मा का उत्सव है। घनौर की धरती पर आयोजित यह समारोह उन्हें किसी औपचारिक कार्यक्रम के बजाय अपनी बहनों के मायके आने जैसा महसूस हो रहा है। पंजाब की संस्कृति के रंगों, मेहंदी, गिद्धे, लोकगीतों और सावन की पियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां पंजाब की उमंग साफ दिखाई दे रही है।

बहनों के लिए लेकर आए कोथली

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह अपनी बहनों के बीच भाई बनकर उनके लिए कोथली लेकर आए हैं। इस कोथली में केवल मिठाई नहीं, बल्कि रिश्तों की मिठास, सम्मान और बहनों की खुशहाली की दुआ भी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मायके की रोखट पर भाई की परछाई बहन के साथ खड़ी रहती है, उसी प्रकार वह भी हर सुख-दुख में अपनी बहनों के साथ खड़े रहेंगे। सभी माताओं, बहनों और बेटियों के सुख, सम्मान, आत्मनिर्भरता और समृद्धि की कामना की।



12वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि माताओं और नवजात शिशुओं को उपचार के दौरान एक साथ रखने, महिला-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, अग्रिम पंक्ति के

►► पहले एडिशनल एजी रह चुके पवन कुमार ने संभाला हरियाणा एजी का कार्यभार

हरिभूमि ब्यूरो ►► चंडीगढ़

पवन कुमार मुतनेजा को हरियाणा का एडवोकेट जनरल नियुक्त किया है। मुतनेजा ने शनिवार को कार्यभार भी संभाल लिया। परचंदर सिंह चौहान का हाई कोर्ट का जज होने का बाद एडवोकेट जनरल का पद खाली हो गया था। मुतनेजा मुख्य रूप से पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में विभिन्न संवैधानिक, दीवानी, आपराधिक, श्रम और कंपनी कानून से जुड़े मामलों की पैरवी करते हैं। कानूनी क्षेत्र में लंबे अनुभव के साथ उन्होंने जटिल और महत्वपूर्ण मामलों में विभिन्न संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा कॉर्पोरेट निकायों का



पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में प्रमुख कानूनी मामलों की पैरवी का लंबा अनुभव

प्रतिनिधित्व किया है। मुतनेजा हरियाणा के अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर भी सेवाएं दे चुके हैं। इस दौरान उन्हें राज्य सरकार से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनी मामलों में पैरवी और सरकार का पक्ष रखने का व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ। उनकी विशेषज्ञता में संवैधानिक कानून के साथ-साथ औद्योगिक एवं श्रम कानून, कंपनी कानून, दीवानी मुकदमोंबाजी और मध्यस्थता से जुड़े मामलों प्रमुख रूप से शामिल हैं।

►► सफाई कर्मियों की हड़ताल पर सैलजा ने घेरा 17 दिन कूड़ा न उठने से सफाई व्यवस्था चरमराई

चंडीगढ़। सांसद सैलजा ने प्रदेश में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल और शहरों में बिगड़ी सफाई व्यवस्था को लेकर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एक

आर सरकार कर्मचारियों से बातचीत और उनकी मांगों के समाधान की बात करती है, दूसरी ओर उन्हीं कर्मचारियों और उनके नेताओं को हिरासत में लिया जा रहा है। आखिर यह कहां का

इंसाफ है? सरकार को टकराव का रास्ता अपनाने के बजाय कर्मचारियों की जायज मांगों का सम्मानजनक समाधान निकालना चाहिए। सैलजा ने कहा कि प्रदेश के अनेक शहरों में करीब 17 दिन तक कूड़ा नहीं उठने से हालात गंभीर बने रहे। जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर, दुर्गंध और गंदगी के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा पैदा हुआ। सरकार की पहली जिम्मेदारी थी कि वह समय रहते कर्मचारियों से संवाद करती तो ऐसी स्थिति ही पैदा नहीं होती।

जिला अस्पतालों में बनेंगे बाल देखभाल केंद्र

सभी जिला अस्पतालों में बाल देखभाल केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इनका उद्देश्य महिला कर्मचारियों और अस्पताल आने वाली महिलाओं के लिए बच्चों की देखभाल की सुविधा उपलब्ध कराना तथा अस्पतालों में अधिक महिला-अनुकूल वातावरण तैयार करना है।

8 एमसीएच विंग के निर्माण में तेजी

बैठक में एसएनसीयू को एसएनसीयू में बदलने पर चर्चा हुई।हरियाणा में 29 एसएनसीयू, 62 एनबीएसयू और 527 एनबीसीसी हैं। 8 एमसीएच विंग के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

तुलसीदास ने समाज को एकजुट और अनुशासित किया : बेदी

- गोस्वामी समाज की धर्मशाला के लिए 21 लाख देने की घोषणा
- कुरुक्षेत्र में तुलसीदास के नाम पर चौक बनाने का आश्वासन

हरिभूमि ब्यूरो ►► चंडीगढ़

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने समाज को आईना दिखाने के साथ उसे एकजुट और अनुशासित करने का काम किया। उनके विचार आज

भी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी महान संतों और महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के आधार पर काम कर रहे हैं।बेदी शनिवार को कुरुक्षेत्र में हरियाणा दशनाम गोस्वामी समाज सभा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने धर्मशाला निर्माण के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की और गोस्वामी तुलसीदास के नाम पर

कुरुक्षेत्र में चौक बनवाने का आश्वासन दिया।कार्यक्रम में तुलसीदास जयंती के अवसर पर 183 प्रतिभावा न विद्यार्थियों और खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इनमें 168 विद्यार्थियों ने 10वीं और 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए, जबकि 15 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में उपलब्धियां हासिल कीं।बेदी ने कहा कि सरकार ने गरीब, जरूरतमंद और पिछड़े वर्गों के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने कहा कि अब युवाओं को सरकारी नौकरी मेरिट के आधार पर मिल रही है।

टिकट की लड़ाई छोड़ कार्यकर्ता की तरह काम करने का आह्वान: प्रभारी संजय दत्त

कुलदीप शर्मा की बेबाकी से बढ़ी सियासी हलचल

योगेंद्र शर्मा►► चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस में धड़े बंदी और गुटबाजी खींचतान की पूरी तरह से समाप्त करने के साथ-साथ विधानसभा चुनावों 2029 पर अभी से तैयारी रखने का संदेश लेकर हरियाणा कांग्रेस मामलों के प्रभारी संजय दत्त इन दिनों राज्यभर में दौरे कर रहे हैं। दत्त ने दिल्ली हाईकमान की ओर से दिए गए निर्देशों के बारे में अवगत करा दिया साथ ही अपनी कमियों पर फोकस करने की नसीहत दी है। हर बूथ, विधानसभा और कस्बों शहरों में मजबूत करने की अपील उन्होंने अप ने संगठन सृजन अभियान के तहत की। प्रदेश कांग्रेस मामलों के प्रभारी प्रभारी संजय दत्त ने साफ कर दिया

है कि प्रदेश में कांग्रेस का संगठन मजबूत है, इसमें कोई दो राय नहीं है। कांग्रेस के दिग्गजों को उन्होंने अपनी बैठकों में साफ कर दिया कर दिया है कि जमीनी हकीकत में काम होना चाहिए और अपनी कमियों को दूर करना होगा। प्रभारी का जिलों में यही संदेश है। सूबे की राजधानी चंडीगढ़ में पहली पीसी और बैठक में भी यही बात साफ की थी, साथ ही अतीत की पराजय की बारीकी से समीक्षा कर दूर करने की अपील की थी। उन्होंने हाईकमान का संदेश बार बार दिया है कि 2029 हमारे लिए एक या मरो की लड़ाई है, सूबे में तीन प्लान से चुनाव में पराजय हात लग रही है, कहीं ना कहीं हमारी कमियों पर हमे काम करना होगा।

कई प्रदेश हाथ से निकले

साल 2029 में चुनाव में पतेह नहीं मिलने की सूरत में प्रभारी ने कहा कि जिस तरह से रूपा और बिहार जैसे बड़े प्रदेश हाथ से निकल गए। इसी तरह से पश्चिम बंगाल में भी नुकसान हुआ है। हरियाणा कांग्रेस के हाथ से ना निकले इसलिए अभी से संकल्प लेना होगा।

ईमानदारी से काम करें

कांग्रेस में केवल अपनी सीट और कुर्सी तक नहीं टिकटों के लिए नहीं बल्कि बड़े से बड़े नेता को कार्यकर्ता की तरह से काम करना होगा। टिकट की लड़ाई और गुटबाजी, धड़ेबंदी ही पार्टी का नुकसान करती है। हारी गई सीटों को लेकर भी चिंता जाहिर की साथ ही कहा कि इस दिशा में गंभीरता से काम करें।

विरोधाभासी बयानों से दुविधा

संगठन को मजबूत करने और हर जिले, विस की नब्ज भांपने निकले प्रभारी के सामने गुटबाजी और खींचतान की दूर करना एक चुनौती है। लेकिन नेताओं की दूरी और खुलेआम बयानबाजी की चिंता उन्हें सता रही है। कई कार्यकर्ता में नेताओं के विरोधाभासी बयान प्रभारी के सामने ही सिरदर्द पैदा करते हैं।

गुटबाजी सामने आई

पंचकूला में एचकेआरएन कार्यालय के बाहर कांग्रेस के धरने में नेताओं की गैरमौजूदगी और मंच से बोलने को लेकर खींचतान चर्चा में रही। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप शर्मा को बोलने से रोकने के प्रयास पर उन्होंने तीखे तैवर दिखाए। पीसीसी चौक रात नरेंद्र के हरक्षेप के बाद शर्मा ने अपनी बात रखी।



नीरज दूसरे स्थान पर रहे, पधिराने ने लुसाने डायमंड लीग में खिताब जीता

भाजपा की जेन-जी से जुड़ने को नई टीम लड़कियों का आजाद होना जरूरी : राहुल

● कांग्रेस के पूरा वंदे मातरम न गाने के खिलाफ प्रस्ताव पास

● 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम की पहली बैठक हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने जेन-जी यानी युवा वोटर्स से जुड़ने के लिए खास टीम बनाई है। इसमें भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े के साथ गुजरात के मंत्री हर्ष सांधवी और छत्तीसगढ़ के मंत्री ओपी चौधरी शामिल हैं। वहीं, दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में शनिवार को नितिन नवीन की अध्यक्षता में 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम की पहली बैठक हुई। वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस के फैसले के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया। भाजपा ने कांग्रेस के कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के केवल दो पैरा गाने के फैसले की निंदा की। नितिन नवीन की नई टीम शनिवार शाम 7 बजे प्रधानमंत्री मोदी से बीजेपी मुख्यालय में मुलाकात करेगी। टीम की घोषणा 17 अगस्त को हुई थी।

नितिन नवीन, स्मृति और तावड़े शामिल

14 से 25 साल के युवाओं को जोड़ेगी भाजपा

नई भाजपा टीम जेन-जी के बीच 'युवा संवाद' अभियान चलाएगी। इसके तहत 14 से 25 साल के युवाओं को जोड़ने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान का मकसद युवा वोटर्स के बीच पार्टी की पहुंच और संपर्क मजबूत करना है। इसके तहत बातचीत, चर्चा और युवा संवाद जैसे कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रमों के जरिए जेन-जी की सोच, उनकी चिंताओं, नवीन ने कहा कि भाजपा वंदे मातरम का इतिहास और महत्व देशभर में पहुंचाने के लिए अभियान चलाएगी। खासतौर पर युवाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

मनुस्मृति में महिलाएं पिता, पति और बच्चों की संपत्ति

मंच से लड़की बोली एक माह बाहर रहें तो प्रेनेंसी टेस्ट कराने को कहते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शनिवार को पुणे में 'छात्रों की गुंज' कार्यक्रम में महिलाओं की आजादी और पितृसत्ता के मुद्दे पर एक घंटा 16 मिनट बात की। उन्होंने कहा, 'महिला की पहचान उसके पिता, पति या बेटे से नहीं होती, बल्कि उसकी अपनी पहचान होती है।' मनुस्मृति का जिक्र करते हुए महिलाओं को पिता, पति और बच्चों की संपत्ति मानने वाली सोच को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, नौकरी, संपत्ति और अपने फैसले लेने की पूरी आजादी मिलनी चाहिए। राहुल ने छात्राओं से कहा कि वे डरें नहीं, अपनी आवाज बुलंद करें और अपने लिए लड़ें। इस दौरान राहुल ने 5 लड़कियों से बातचीत की।

छात्रों की गुंज कार्यक्रम में मनुस्मृति पर उठाए सवाल

अपनी पसंद का जीवन जीने से रोका जाता है

राहुल ने कहा कि महिलाओं को निर्यात करने के चार तरीके हैं- हिंसा, अपमान/अनादर, समय और कंट्रोल। उन्होंने कहा कि महिलाओं को देर तक बाहर रहने, काम करने और अपनी पसंद से जीवन जीने पर रोक का सामना करना पड़ता है।

शिक्षा-रोजगार में भेदभाव

राहुल ने सवाल उठाया कि वह सोच कहां से आती है जिसमें लड़के को पढ़ाने और लड़कों को पढ़ाई या नौकरी से रोकने की मानसिकता होती है। उन्होंने कहा कि लड़कियों की शादी और घरेलू काम के कारण पढ़ाई छूट जाती है।

खबर संक्षेप

मान की पत्नी पर 5 करोड़ रिश्तत का आरोप, गुरप्रीत ने रिटायर्ड जज को मेजा नोटिस चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर पर एक दुष्कर्म केस दर्जाने के बदले 5 करोड़ रुपये की कथित रिश्तत मांगने के आरोप लगे हैं। यह आरोप पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज रणजीत सिंह ने लगाए थे। गुरप्रीत कौर ने रिटायर्ड जज को लीगल नोटिस भेजा है। डॉ. कौर ने नोटिस में 24 घंटे के भीतर बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने को कहा है। डॉ. गुरप्रीत कौर ने रिटायर्ड जस्टिस रणजीत सिंह द्वारा लगाए गए 5 करोड़ रुपये के आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

चीन ने विदेशियों के लिए बंद किया माउंट एवरेस्ट

बीजिंग। चीन ने इस साल विदेशी पर्वतारोहियों के लिए माउंट एवरेस्ट के उत्तरी हिस्से सहित तिब्बत की सबसे ऊंची चोटियों (चो ओयु और शिशापंगमा) के रास्ते पूरी तरह बंद कर दिए हैं। चीन द्वारा यह प्रतिबंध तिब्बत के शिगात्से के पास एक आतिशबाजी की घटना के बाद शुरू हुई जांच और विदेशी पर्वतारोहण को परमिट जारी करने में हुईं भ्रष्टाचार में पाया। एजेंसी

अभिजीत दीपके के खिलाफ एफआईआर

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर जिले में पुलिस ने कॉन्ग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के संयोजक अभिजीत दीपके और अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। उन पर बिना अनुमति सरकारी स्कूल में घुसने, सरकारी काम में रुकावट डालने और शिक्षकों को धमकाने का आरोप है। यह एफआईआर औसा पुलिस स्टेशन में जिला परिषद उर्दू स्कूल की शिक्षिका सत्यद शमशादबानो खैरातअली (53) की शिकायत पर दर्ज की गई। शिकायत के मुताबिक, घटना औसा के पास जावली स्थित जिला परिषद उर्दू स्कूल में हुई। एजेंसी

एचटेक का रिजल्ट घोषित : 16.57 फीसदी को मिली कामयाबी

1.92 लाख अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, 83.43 फीसदी फेल

लेवल-1 3.53 फीसदी को मिली सफलता	लेवल-2 20.71 प्रतिशत छात्र सफल रहे	लेवल-3 16.50 फीसदी ने पास की परीक्षा
भिवानी (हरिभूमि न्यूज)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा 04 व 05 जुलाई, 2026 को आयोजित करवाई गई हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा-2025 लेवल-1, 2 व 3 का परीक्षा परिणाम आज घोषित कर दिया गया है, जोकि बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। परीक्षा परिणाम 16.57 प्रतिशत रहा। अभ्यर्थी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर दिए लिंक के माध्यम से अपने रजिस्ट्रेशन नंबर व जन्मतिथि विवरणों का उपयोग करके अपना परीक्षा परिणाम डाउनलोड कर सकते हैं। इस परीक्षा में लेवल-1 (पीआरटी) के कुल 3.53 प्रतिशत, लेवल-2 (टीजीटी) के कुल 20.71 प्रतिशत तथा लेवल-3 (पीजीटी) के कुल 16.50 प्रतिशत अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं। इस आशय की विस्तृत जानकारी देते हुए हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष शंकर लाल धूपड़ ने बताया कि इस परीक्षा में कुल 192220 अभ्यर्थी प्रविष्ट हुए। लेवल-1 (पीआरटी) की परीक्षा में कुल 31402 अभ्यर्थी प्रविष्ट हुए, जिनका पास प्रतिशत 3.53 रहा। लेवल-2 (टीजीटी) की परीक्षा में कुल 99896 अभ्यर्थी प्रविष्ट हुए, जिनका पास प्रतिशत 20.71 रहा। इसी प्रकार लेवल-3 (पीजीटी) की परीक्षा में कुल 60922 अभ्यर्थी प्रविष्ट हुए, जिनका पास प्रतिशत 16.50 रहा।	100 रुपये में डाउनलोड करें ओएनआर सीट इच्छुक अभ्यर्थी अपनी ओ.एम.आर. शीट निधारित शुल्क 100 रुपये के साथ 24 अगस्त से 23 अक्टूबर, 2026 तक बोर्ड की वेबसाइट पर दिए गए लिंक से डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि परिणाम को अपलोड करने या किसी अन्य प्रकार की तकनीकी त्रुटि होने की अवस्था में बोर्ड को यह परिणाम वापस लेने का पूर्ण अधिकार होगा।	

220 करोड़ रुपये का बजट

तमिलनाडु सरकार नवजात बच्चों को सोने की अंगूठी देगी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने सरकारी अस्पतालों में जन्मे नवजात बच्चों के लिए 1.28 लाख सोने की अंगूठियों के वर्क ऑर्डर जारी किए हैं। इस योजना का बजट 220 करोड़ रुपये है। तमिलनाडु मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन ने शुक्रवार देर रात जॉयलुस्कास और कल्याण ज्वेलर्स को ऑर्डर दिए। ये अंगूठियां जून से सितंबर के बीच सरकारी अस्पतालों में जन्मे बच्चों को दी जाएंगी। इस योजना 15 सितंबर को ड्रिविड आंदोलन के नेता सी. एन. अनादुरई की जयंती पर शुरू की जाएगी। हालांकि, विपक्ष ने टेंडर प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। तमिलनाडु विधानसभा में भी योजना के टेंडर को लेकर बहस हुई। विपक्षी डीएमके और एआईएडीएमके ने खरीद प्रक्रिया पर सवाल उठाए।

4 साल से छोटे बच्चों को खतरा

सर्दी-जुकाम की दो दवाइयों का कॉम्बीनेशन बच्चों के लिए बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने चार साल से छोटे बच्चों के लिए सर्दी-जुकाम की दवा को लेकर शनिवार को आदेश जारी किया है। सरकार के मुताबिक, क्लोफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलोफ्रान हाइड्रोक्लोराइड के कॉम्बिनेशन से बचने वाली सभी दवाएं चार साल से छोटे बच्चों को न दी जाएं। सरकार ने दवा कंपनियों को इन दवाओं के पैकेट, अंदर की जानकारी और प्रचार सामग्री पर साफ चेतावनी लिखने का आदेश दिया है, ताकि छोटे बच्चों को इनके इस्तेमाल से होने वाले संभावित खतरे से बचाया जा सके। दवा के पैकेट पर लिखना होगा कि 4 साल से कम उम्र के बच्चों में इसका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

छात्रों का हंगामा, परीक्षा रद्द

जयपुर में एनटीए के पीजी एंट्रेंस एग्जाम में बिजली गुल

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से करवाए जा रहे आयुर्वेदिक पीजी एंट्रेंस एग्जाम के दौरान लाइट चली गई। एग्जाम कंप्यूटर बेस्ड था। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित सत्य साई पीजी कॉलेज का शनिवार सुबह 10:20 बजे कुछ स्टूडेंट्स के सिस्टम बंद हो गए। इसके बाद अभ्यर्थियों ने सेंटर के बाहर हंगामा कर दिया। ऐसे में यहां पहली पारी का एग्जाम रद्द कर दिया। वहीं एनटीए ने पहली शिफ्ट के आयुर्वेदिक पीजी एंट्रेंस एग्जाम में हुए टेक्निकल एरर के बाद एग्जाम नहीं दे पाने वाले 49 स्टूडेंट्स के लिए 1 सितंबर को फिर से एग्जाम करवाने की घोषणा की है। यह एग्जाम राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर विमेन जयपुर के सेंटर पर होगा।

सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के लिए राज्यव्यापी अभियान सरकारी स्कूलों की कायापलट, आधारभूत ढांचा मजबूत करने को 14,300 से अधिक विद्यालयों का माइक्रो निरीक्षण

सीलड लिफाफे में एंडोस्कोपी कैमरा डालकर पेपर लीक किया, 11 हजार में छात्रों को बेचा बीएससी के पेपर में धांधली, छत्तीसगढ़ के प्रोफेसर समेत 6 गिरफ्तार

दुर्ग (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में प्रोफेसर ने इंडोस्कोपी कैमरे से स्कैन करके पेपर लीक किया। पेपर सीलबंद लिफाफे में रखा था। प्रोफेसर ने उसमें छुई से छेद किया, फिर इंडोस्कोपी कैमरे को लिफाफे में बने छोटे छेद से अंदर डालकर पेपर स्कैन कर लिया। इसके बाद कैंटेंट को हाथ से लिखकर छात्रों को 11-11 हजार रुपये में बेच दिया। पुलिस ने प्रोफेसर समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दो आरोपी अब भी फरार हैं। पुलिस के मुताबिक, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी कृषि फर्ट इंपर के प्लांट

लिफाफे में सुई से छेद किया, फिर इंडोस्कोपी कैमरे को अंदर डालकर पेपर स्कैन किया, कैंटेंट को हाथ से लिखकर छात्रों को पैसे में बेच दिया।

यूनिवर्सिटी ने परीक्षा स्थगित कर दी। मास्टरमाइंड प्रोफेसर का नाम योगेश सोनकरसिरैया है। वह दुर्ग जिले के भारतीय एग्रीकल्चर कॉलेज में साल 2019 से प्रोफेसर है। पिछले करीब एक साल से वह अपने कॉलेज की उत्तर पुस्तिकाएं जमा करने और आने वाली परीक्षाओं के पेपर लेने के लिए रायपुर कृषि महाविद्यालय आता था।

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों और शिक्षकों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाने के लिए एक व्यापक राज्यव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रदेश के 14,300 से अधिक सरकारी विद्यालयों निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं और भौतिक ढांचे की स्थिति का विस्तृत आकलन किया गया। विभाग के एक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण प्रक्रिया को पारदर्शी और

व्यावहारिक बनाने के लिए जिला व ब्लॉक स्तर के अधिकारियों सहित तकनीकी विशेषज्ञों को शामिल किया गया। इसमें जेई सिविल, एसडीई, बीईओ, एबीआरसी और स्कूल मैनेजमेंट कमिटी (एसएमसी) के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। मुख्यालय स्तर के अधिकारियों ने भी समय-समय पर स्कूलों का दौरा किया। प्रत्येक विद्यालय की वास्तविक आवश्यकताओं को समझते हुए एक विशेष 'माइक्रो प्लान' तैयार किया गया है, ताकि प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य करवाए जा सकें।

प्रथम चरण में ढांचागत सुधार के लिए 130 करोड़ रुपये जारी स्वच्छ व दिव्यांग-अनुकूल सुविधाओं के लिए 11.01 करोड़ स्वीकृत

2,800 कार्यों की पहचान, 130 करोड़ का प्रथम बजट

उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान प्रदेश भर में लगभग 2,800 विकास कार्यों एवं आवश्यक सुधारों को विस्तृत किया गया है। इनमें पुराने व जरूरत भवनों को हटाना, नए कमरों का निर्माण, चारदीवारी, नए शौचालय तथा छोटे-बड़े मरम्मत कार्य शामिल हैं। विभाग ने इन कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने की योजना बनाई है और प्रथम चरण के लिए 130 करोड़ रुपये की धराराशि जारी कर दी है।

स्वच्छता और दिव्यांग-अनुकूल सुविधाओं पर ध्यान

विद्यार्थियों के लिए बेहतर स्वच्छता सुनिश्चित करने और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सुगम माहौल देने के लिए 11.01 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। इसके तहत 484 नए लड़कों के शौचालय, 173 नए लड़कियों के शौचालय, 97 दिव्यांग-अनुकूल शौचालय, 51 रैंप का निर्माण और मौजूदा शौचालयों का जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य शामिल है। शिक्षा विभाग का उद्देश्य केवल भवनों का सुधार करना नहीं, बल्कि प्रत्येक सरकारी स्कूल को उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र बनाना है।

अ	नु	म	व	शा	का	हा	र
अ	का	ल	पि	नि	अ		
ह	म	का	या	ल	ट	का	का
म	रा	का	हो	श	र		
क	हा	नी	का	र	ना	म	क
द						सो	
अ	सा	म	यि	क	आ	ज	म
आ	स्त	म	क	म	न	रा	
न	ल	नी	ल	क	म	ल	खी
क	भ	ना	दे	क	म	त	
को	ला	ह	ल	ह	र	जा	ई

सूदर थाना पुलिस मौके पर पहुँचकर
और घटनास्थल का मुआयना
किया। परिजनों ने बताया कि
अफजल दो भाइयों और तीन बहनों
में से एक था। उन्होंने बताया कि
अफजल की मानसिक स्थिति
पिछले कुछ समय से ठीक नहीं थी।
हालांकि, पति-पत्नी की मौत का
वास्तविक वजह और विवाद का
कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।
अफजल मिठाई की दुकान करतार
थासदर थाना प्रभारी सुभाष चंद्र ने
बताया कि प्रथम दृष्टया वह मामला
घरेलू विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है।
पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर
रही है।

कुरुक्षेत्र (हरिमूमि ग्यूज)। कुरुक्षेत्र-हिवावा रोड स्थित एक कॉलोनी में पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद करीब 40 वर्षीय व्यक्ति की चाकू से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान राजेश के रूप में हुई है। घटना के बाद उसकी पत्नी बिमला देवी को भी छत से कूदने की सूचना है। घायल महिला को उपचार के लिए एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना केयूके प्रभारी सुरेंद्र ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कॉलोनी में पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां राजेश लहलुहान हालत में पड़ा मिलता। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, पड़ोसी ने बताया कि पति-पत्नी के बीच विवाद के दौरान बिमला देवी ने कथित तौर पर चाकू से राजेश पर हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद बिमला के छत से कूदने की बात सामने आई है। घायल बिमला देवी को उपचार के लिए एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पड़ोसी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने बिमला देवी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और घटना के पीछे रहे वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है। थाना केयूके इंचार्ज सुरेंद्र का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के कारणों और परिस्थितियों के बारे में संपष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

हस्ता/-प्रवर चिकित्सा अधिकारी
सीएचसी अलेवा, जिला जींद
(हरियाणा)

राष्ट्रीय गीत को लेकर
चल रहे विवाद के
बीच फिर अजीबो
गरीब वाकया

एजेसी ►► नागपुर

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को लेकर चल रहे विवाद के बीच नागपुर नगर निगम प्रशासन एक घटना की वजह से अजीबो-गरीब स्थिति में फंस गया है। गुरुवार को नगर निगम की जनरल बॉडी की बैठक थी। बैठक से पहले वंदे मातरम के केवल दो अंतरे ही गाए गए। दिलचस्प बात यह है कि नागपुर नगर निगम की सत्ता भाजपा के पास है। मेयर नीता ठाकरे ने इस मामले की जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नागपुर नगर निगम में सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले वंदे मातरम को गाया जाना पुरानी परंपरा है।

खबर संक्षेप

राजनाथ ने डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन किया
नोएडा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नोएडा में इंदिरा गांधी कला केंद्र सभागार में महाजन इमेजिंग एंड लेब्स के नए इंटीग्रेटेड डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन किया। इस मौके पर सांसद डॉ. महेश शर्मा के साथ लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज भी मौजूद रहें। यह केंद्र उत्तर प्रदेश में कंपनी का पहला सेंटर है। इसकी शुरुआत नोएडा से हो रही है।

कर्नाटक के आईएसएस ज्ञानेंद्र कुमार लापता
बेलगुरु। कर्नाटक के आईएसएस ज्ञानेंद्र कुमार 20 अगस्त से लापता हैं। उनसे किसी भी तरह का संपर्क नहीं हो पा रहा है,उनका फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। इस घटना से पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप है और उन्हें खोजने की कोशिश जारी है। परिवार का कोई सदस्य भी ज्ञानेंद्र कुमार से बात नहीं कर पाया है।राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने घटना की पुष्टि की है।

उन्हें खोजने की कोशिश जारी है। परिवार का कोई सदस्य भी ज्ञानेंद्र कुमार से बात नहीं कर पाया है।राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने घटना की पुष्टि की है।

गुरुग्राम में निर्माणधीन दीवार गिरी, 7 दबे

गुरुग्राम। खेड़कीदौला थाना क्षेत्र के सेक्टर 84 में शनिवार अरुसुबह तेज वर्षा के बीच एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक निर्माणधीन दीवार भरभराकर गिर गई।दीवार के पास सो रहे श्रमिक परिवार के 7लोग मलबे में दबकर घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।

डीएमके में 2 कार्यकाल पर छोड़नी होगी कुर्सी

चेन्नई। डीएमके की कार्यकारिणी समिति की बैठक में पार्टी संगठन में नई पीढ़ी को आगे लाने के लिए विभिन्न पदों पर उम्र और कार्यकाल की सीमा तय करने का फैसला किया गया। शाखा समिति सचिव के लिए 45 , वार्ड समिति सचिव के लिए 50और टाउन पंचायत, एरिया व सिटी कमेटी सचिवों के लिए 60 वर्ष निर्धारित की है।2कार्यकाल की सीमा तय की है।

मनन के कार्यकाल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली। बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा के लंबे कार्यकाल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में नियमों के तहत चेयरमैन के दो साल के कार्यकाल का हवाला देते हुए गजट अधिसूचना को रद्द करने की मांग की है, जिसमें कथित तौर पर कार्यकाल 2030 तक बढ़ाया गया। याचिकाकर्ता ने मिश्रा को हटाने की मांग की है।

नागपुर नगर निगम में वंदे मातरम के सिर्फ दो अंतरे गाए गए, मेयर ने दिए जांच के आदेश, जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग भी की

विभागों ने दिए अलग-अलग स्पष्टीकरण

खास बातें

- गुरुवार को नगर निगम की जनरल बॉडी की बैठक पर सवाल उठे
- बैठक के दौरान यहां पर परंपरा का किया जा रहा था निर्वहन



मेयर नीता ठाकरे

वंदे मातरम के मामले में विवाद तब और गहरा गया जब नगर निगम के अधिकारियों ने इसे लेकर अलग-अलग बयान दिए। नगरपालिका सचिव रंजना लाडे ने कहा कि यह खेल एवं संस्कृति अधिकारी का काम है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि केवल 2 छंद ही बजाए गए हों और यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। रंजना ने कहा कि हमने इस मामले में खेल एवं संस्कृति अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा है, लेकिन खेल अधिकारी पीयूष अंबुलकर ने कहा कि यह जिम्मेदारी नगर निगम सचिवालय की है। पीयूष ने वंदे मातरम विवाद को लेकर कहा कि यह सचिवालय की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी केवल 15 अगस्त और 26 जनवरी को है। 15 अगस्त को हमने परिसर में इसे पूरा बजाया था।

सीजेआई ने 11वें ब्रिक्स और लीगल फोरम को संबोधित किया
न्याय-नॉमिक्स से ही बढ़ेगी अर्थव्यवस्था
केवल भूगोल से नहीं मिलती तरक्की

आर्थिक विकास को मजबूत और टिकाऊ बनाने ‘न्याय-नॉमिक्स’ की जरूरत बताई

एजेसी ►► नई दिल्ली

नई दिल्ली में आयोजित 11वें ब्रिक्स और लीगल फोरम को संबोधित करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक महत्वपूर्ण विचार सामने रखा। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि सिर्फ भूगोल की किस्मत या प्राकृतिक संसाधनों के भरोसे नहीं टिकी रह सकती। आर्थिक विकास को मजबूत और टिकाऊ बनाने के लिए ‘न्याय-नॉमिक्स’ यानी न्याय के अर्थशास्त्र की जरूरत है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कानूनी संस्थाएं विकास के आसपास बाद में खड़ा किया गया कोई ढांचा नहीं होतीं, बल्कि वे खुद विकास का मुख्य आधार और वास्तुकला होती हैं। अगर इस आधार को हटा दिया जाए, तो उभरती हुई अर्थव्यवस्था केवल सौभाग्य का एक ढेर नजर आएगी, जो किसी भी बड़े संकट में ढह सकती है।



निष्पक्ष और सही फैसले से भरोसा बढ़ेगा

मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि जब अदालतें निष्पक्ष और लगातार सही फैसले देती हैं, तो लोगों का व्यापार प्रणाली पर भरोसा बढ़ता है। इससे हर व्यापारिक लेनदेन की लागत कम होती है।

संसाधनों के बल पर आगे नहीं बढ़ा कोई भी देश ‘न्याय सेतु’ का विचार भी दिया, भरोसा भी बढ़ाएं

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि भारत समेत ब्रिक्स प्लस का कोई भी देश केवल अपने संसाधनों के बल पर आगे नहीं बढ़ा है। इन देशों का विकास इस बात पर निर्भर करता है कि वहां वादों और समझौतों को कानूनी रूप से कितना मजबूती से लागू कराया जाता है। भाषण के दौरान सीजेआई ने ‘न्याय सेतु’ का विचार भी दिया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा पुल है जो 11 अलग-अलग देशों की कानूनी परंपराओं को आपस में जोड़ता है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देश आपस में भरोसे का माहौल खुद बनाएं, न कि किसी चमत्कार का इंतजार करें।

सज्जन कुमार के नाम पर संग्राम हुड्डा के बयान पर भड़के चन्नी उसका नाम लेना भी ‘पाप’

एजेसी ►► अमृतसर

सिख विरोधी दंगों के दोषी पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार की मौत के बाद कांग्रेस नेताओं की ओर से दी गई श्रद्धांजलि को लेकर पंजाब की राजनीति गरमा गई है। अब इस विवाद के बीच सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि सज्जन कौम एक श्रद्धालु है और उसका नाम लेना भी पाप है। उन्होंने कहा कि सज्जन ने मानवता और सिखों की हत्या करवाई तथा दो मामलों में जेल की सजा भुगतते हुए उसकी मौत हुई। चन्नी ने कहा कि उसे चौराहे पर



खड़ा करके फांसी दी जानी चाहिए थी। सज्जन को रोल मॉडल बताने वालों पर निशाना साधते हुए चन्नी ने कहा कि वह हमारा रोल मॉडल कभी नहीं हो सकता। अगर ऐसे लोग रोल मॉडल होंगे तो देश तबाह हो जाएगा।उन्होंने कहा कि सज्जन को रोल मॉडल कहने वाले अपनी जुबान और खुद पर नियंत्रण रखें।

किफायती डेटा, फ्री कॉलिंग और मजबूत नेटवर्क ने किया कायाकल्प हरियाणा में जियो के 10 साल बेमिसाल

■ अगस्त 2016 से जून 2026 तक 29.2% के सीएजीआर के साथ, 82.7 लाख मोबाइल ग्राहक जोड़े

मुंबई। रिलायंस जियो ने अपने कमर्शियल लॉन्च के बाद से एक दशक में, हरियाणा में, वायरलेस मोबाइल बाजार में एक बड़ी क्रांति ला दी है। जब सितंबर 2016 में जियो ने टेलीकॉम मार्केट में कदम रखा, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कुछ ही वर्षों में पुरे उद्योग का चेहरा ही बदल जाएगा। जियो 5 सितंबर को अपने दस साल पूरे करने जा रहा है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के

अनुसार, अगस्त 2016 में शून्य ग्राहक आधार से शुरुआत करने वाले जियो ने हरियाणा में पहले ही महीने (सितंबर 2016) में 6.8 लाख ग्राहक जोड़ लिए थे।

जून 2026 तक यह आंकड़ा 75.9 लाख की नेट ऐडिशन और 29.2 % के कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) के साथ बढ़ते हुए 82.7 लाख हो गया है। यह 29.2 % सीएजीआर पहले से मौजूद टेलीकॉम ऑपरेटर्स से कहीं ज्यादा है। ट्राई की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, जून 2026 तक, हरियाणा के 2.7 करोड़ मोबाइल कनेक्शनों में से 30.6% हिस्सेदारी जियो की है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के यूरोप दौरे पर उठे सवाल
प्रो. माया से मिले रेड्डी, भाजपा ने बताया ‘एंटी-इंडिया’

एजेसी ►► नई दिल्ली

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इस समय यूरोप दौरे पर गए हुए हैं। उनका यह कार्यक्रम उस समय चर्चा में आ गया था, जब सरकार ने उन्हें अमेरिका की यात्रा के लिए इजाजत नहीं दी थी। अब यूरोप के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम को लेकर भी भाजपा ने नाराजगी जाहिर की है। यूनिवर्सिटी में कार्यक्रम के दौरान रेड्डी ने ‘ब्लावलिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट’ के फैकल्टी सदस्यों से मुलाकात की। इसमें राजनीति और पब्लिक पॉलिस पढ़ाने वाली प्रोफेसर माया ट्यूडर भी शामिल थीं। इनकी तस्वीरें सामने आने पर भाजपा ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को घेरना शुरू कर दिया और माया ट्यूडर को ‘एंटी-इंडिया’ बताया।



सीएम रेड्डी की यूरोप यात्रा के दौरान की तस्वीरें सामने आने के बाद भाजपा सांसद अरविंद धर्मपुरी ने उन्हें निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि ट्यूडर अपने भारत विरोधी रवैये के लिए जानी जाती है। ऐसे में रेवंत रेड्डी की उनसे मिलना गलत है।

भारत-विरोधी ताकतों के साथ मिले

एक्स पर धर्मपुरी ने लिखा, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के ब्लावलिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट की प्रोफेसर माया ट्यूडर ने भारत-विरोधी लेख लिखे हैं, जिनमें ‘भारत का लोकतंत्र क्यों मर रहा है’ भी शामिल है। रेवंत उनसे मिल रहे हैं। उनमें जरा भी शर्म नहीं बची है और वे भारत-विरोधी ताकतों के साथ मिल गए हैं।

मेयर ने नगर निगम के आयुक्त को लिखा पत्र

इसके बाद नीता ने नगर निगम के आयुक्त विपिन इटणकर को पत्र लिखकर मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। मेयर ने कहा कि वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रेरणा का महत्वपूर्ण स्रोत रहा है और इसे गाते समय सम्मान और अनुशासन देने की अपेक्षा की जाती है। जनरल बॉडी की बैठक में वंदे मातरम का केवल कुछ हिस्सा गाया जाना गलत है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए? मेयर ने नगर निगम की बैठकों में राष्ट्रीय गान और वंदे मातरम को गाए जाने को लेकर स्पष्ट प्रक्रिया तय करने की भी मांग की है।

वंदे मातरम को लेकर विवाद

कांग्रेस पार्षद ने भी लगाया आरोप

कांग्रेस पार्षद अभिजीत झा ने आरोप लगाया कि नगर निगम की बैठक में वंदे मातरम के केवल 2 अंतरे ही गाए गए। उन्होंने यह भी कहा कि 20 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती थी लेकिन सदन की बैठक में शुरुआत में उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी गई और बैठक में शामिल सदस्यों को इसकी याद दिलाई



गई। इस मामले में नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि निगम मुख्यालय में सुबह ही औपचारिक रूप से श्रद्धांजलि अर्पित की जा चुकी थी। यह घटना ऐसे वक़्त में हुई है, जब वंदे मातरम को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद चल रहा है। हाल ही में जब कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) ने वंदे मातरम के केवल पहले दो अंतरे गाने का फैसला किया था तो भाजपा ने इसकी जमकर आलोचना की थी। झा ने आरोप लगाया कि नगर निगम की बैठक में वंदे मातरम के केवल 2 अंतरे ही गाए गए।

सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष से मारपीट दोनों पक्षों ने दर्ज कराई एफआईआर आखिरकार स्कूल की जगह बदली

एजेसी ►► जयपुर

यहां के बगरू विधानसभा क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक स्कूल रामपुरा-कंवपुरा के निरीक्षण को लेकर कोंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और ग्रामीणों के बीच शूक्रवार को हुए विवाद के बाद शनिवार सुबह स्कूल को करीब 50 मीटर दूर एक दूसरी इमारत में शिफ्ट



कर दिया गया। इस दौरान स्कूल परिसर और व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठे। मामले में सीजेपी की रेखा शर्मा, सलमान, संजू और गीगराज ने ग्रामीणों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए शिवदासपुरा थाने में एफआईआर दर्ज कराईं। वहीं, ग्रामीणों की ओर से भगवान सहाय ने सीजेपी कार्यकर्ताओं के खिलाफएफआईआर दर्ज कराई है।शनिवार को ग्रामीणों और सीजेपी की ओर से शिवदासपुरा थाने में एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई।

विवाद के बाद बदली स्कूल की जगह

ग्रामीणों और सीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच शूक्रवार को स्कूल निरीक्षण के दौरान विवाद हुआ था। इसके बाद शनिवार सुबह स्कूल को करीब 50 मीटर दूर एक दूसरी इमारत में स्थानांतरित कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस कमरे में बच्चों को बैठाया जा रहा है, वहां पहले दुकान संचालित होती थी। वहीं, स्कूल को जिस स्थान पर शिफ्ट किया गया है, वहां भी बच्चों के बाहर बैठने की तस्वीरें सामने आई हैं। इससे स्कूल की वैकल्पिक व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

राजस्थान सरकार ने मानी ये बात

कई स्कूलों में भवन नहीं तो कहीं शौचालय नहीं



और पेयजल जैसी जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। सरकार ने यह जानकारी नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के सवाल के जवाब में दी।

राजस्थान में सरकारी स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं को लेकर एक बड़ा खुलासा सामने आया है। राज्य सरकार ने विधानसभा में बताया कि प्रदेश के 611 सरकारी स्कूलों के पास अपना भवन नहीं है। इनमें 10 बालिका विद्यालय भी शामिल हैं। इसके अलावा हजारों स्कूल ऐसे हैं जहां बच्चों के लिए शौचालय

नौसेना को सौंपा पनडुब्बी रोधी जलयान ‘मैंग्रोल’



कोलिया। कोलिया स्थित कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने भारतीय नौसेना को तीसरा पनडुब्बी रोधी जलयान मैंगोल सौंप दिया है। इस जहाज में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है और यह पानी के भीतर निगरानी, तटीय जलक्षेत्र में पनडुब्बी रोधी अभियान (एएसडब्ल्यू), निम्न तीव्रता समुद्री अभियान (एलआईएमओ) और बारूदी सुरंगों से बचाव की क्षमताओं से सुसज्जित है। यह जहाज वाटरजेट से संचालित होता है और अत्याधुनिक टॉरपीडो, पनडुब्बी रोधी रॉकेट, उन्नत रडार और सोनार से लैस है। मैंगोल नाम गुजरात के जूनागढ़ जिले में स्थित तटीय शहर और छोटे बंदरगाह ‘मैंगोल’ से लिया गया है, जो समुद्री मत्स्य पालन उद्योग का एक प्रमुख बंदरगाह है।

हिमाचल विधानसभा में हंगामा

वंदे मातरम पर सत्तापक्ष-विपक्ष आमने- सामने, नारेबाजी की

एजेसी ►► शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के सत्र के दूसरे दिन राष्ट्रीय गीत को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हो गए। पहले विधानसभा परिसर में दोनों दलों के विधायकों ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की।सदन के भीतर प्रश्नकाल के बाद भी मामला गरमा गया। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने राष्ट्रीय गीत के अपमान के आरोप पर मुख्यमंत्री से माफी मांगने को कहा, जबकि सीएम सुखविंद सिंह सुक्खू ने पलटवार करते हुए भाजपा विधायक दल पर राष्ट्रीय गान के अपमान का आरोप लगाया।



ठाकुर बोले- मांफी मांगें

जयराम ने कहा कि राष्ट्रीय गीत का अपमान कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यालय में हुआ है।जो बात सदन के अंदर हुई ही नहीं, उस पर बयान देने पर मुख्यमंत्री को माफी मांगनी चाहिए। इस बारे में सदन में क्लिफिंग दिखाएं। सभी भाजपा विधायक सावधान की मुद्रा में खड़े थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की ऐतिहासिक प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए ‘दिमागी नक्सल’ शब्द का प्रयोग किया। अब सवाल उठाए जा रहे हैं कि पीएम किन लोगों को ‘दिमागी नक्सल’ के नाम से पुकारना चाहते हैं और क्या सच में देश की शांति को इनसे किसी किस्म का खतरा है? क्या मोदी सरकार इस शब्द के माध्यम से अपनी आलोचना करने वाले लोगों पर शिकंजा कसना चाहती है और अभिव्यक्ति की आजादी छीनना चाहती है? जहां एक ओर एनडीए सरकार के प्रयासों से बंदूकधारी नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं द्वारा इस शब्दावली को स्वयं पर ओढ़ना उनकी वैचारिक दिशा पर सवाल खड़े करता है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाकई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अब हर शब्द के लिए बुना जाता है जाल



विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए ‘दिमागी नक्सल’ शब्द का प्रयोग किया तो इसने पूरे देश के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक विमर्श में एक नई और गहरी बहस को जन्म दे दिया। यह मात्र एक राजनीतिक शब्दावली का प्रयोग नहीं था बल्कि भारतीय समाज के भीतर पनप रही एक अदृश्य, सूक्ष्म और कहीं अधिक जटिल चुनौती की ओर किया गया एक अत्यंत गंभीर इशारा था। दशकों से हमारे देश ने जंगलों, बीहड़ों और दुर्गम पहाड़ियों में पनपने वाले उस हथियारबंद नक्सलवाद का सामना किया है जिसने सीधे तौर पर बंदूक के दम पर भारतीय राज्य व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को चुनौती दी थी। हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाबलों के जवानों ने इस हिंसक वामपंथी उग्रवाद की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है। आज, जब सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, लगातार चलाए गए अभियानों और विकास की पहुंच के कारण वह हिंसक और सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम प्रहर की ओर बढ़ रहा है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं। प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य उसी नए खतरे के प्रति देश को आगाह करने का एक प्रयास था, जो बंदूकों से नहीं बल्कि संवाद, विचारों, लेखनी और विमर्श के माध्यम से हमारे समाज के ताने-बाने को भीतर से भेदने का प्रयास कर रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर सत्ता के शीर्ष पर बैठे प्रधानमंत्री किन लोगों को ‘दिमागी नक्सल’ के नाम से पुकारना चाहते हैं और इनका वास्तविक स्वरूप क्या है।

नकारात्मक ‘नैरेटिव’

‘दिमागी नक्सल’ को यदि इसके गहरे अर्थों में समझा जाए तो यह शब्द, जिन्हें अक्सर वैचारिक नक्सली या ‘अर्बन नक्सल’ भी कहा जाता है, वे लोग हैं जो कभी प्रत्यक्ष रूप से हाथों में हथियार नहीं उठाते। ये लोग जंगलों में छिपकर पुलिस से मुठभेड़ नहीं करते बल्कि ये हमारे समाज के सबसे सुरक्षित और प्रतिष्ठित हिस्सों में रहते हैं। ये अक्सर समाज के प्रखंड वर्गों- जैसे विश्वविद्यालयों के प्रिंसिपल, मानवाधिकार संगठनों, साहित्य, कला और मीडिया के क्षेत्रों में एक सम्मानित चले के भीतर छिपे हो सकते हैं। इनका मुख्य हथियार इनकी लेखनी, इनका प्रभावशाली भाषण, इनका अकादमिक शोध और संवाद की वह आकर्षक शैली है, जिसके जरिए ये बहुत ही चतुराई से स्थापित लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ एक निरंतर नकारात्मक ‘नैरेटिव’ या विमर्श तैयार करते हैं। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के दृष्टिकोण से देखें तो इन दिमागी नक्सलियों का मुख्य लक्ष्य देश की युवा पीढ़ी, विशेषकर छात्रों के भावुक मस्तिष्कों को अपना विश्वास बसाना है जो दुनिया को बदलने का आदर्शवादी सपना देखते हैं। ये वैचारिक तत्व समाज की वास्तविक संस्कृति और अपनी ही लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति नफरत, आक्रोश और गहरे अविश्वास के बीज बोते हैं।

नक्सल-मुक्त भारत व दिमागी नक्सल का दंभ



मंथन

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

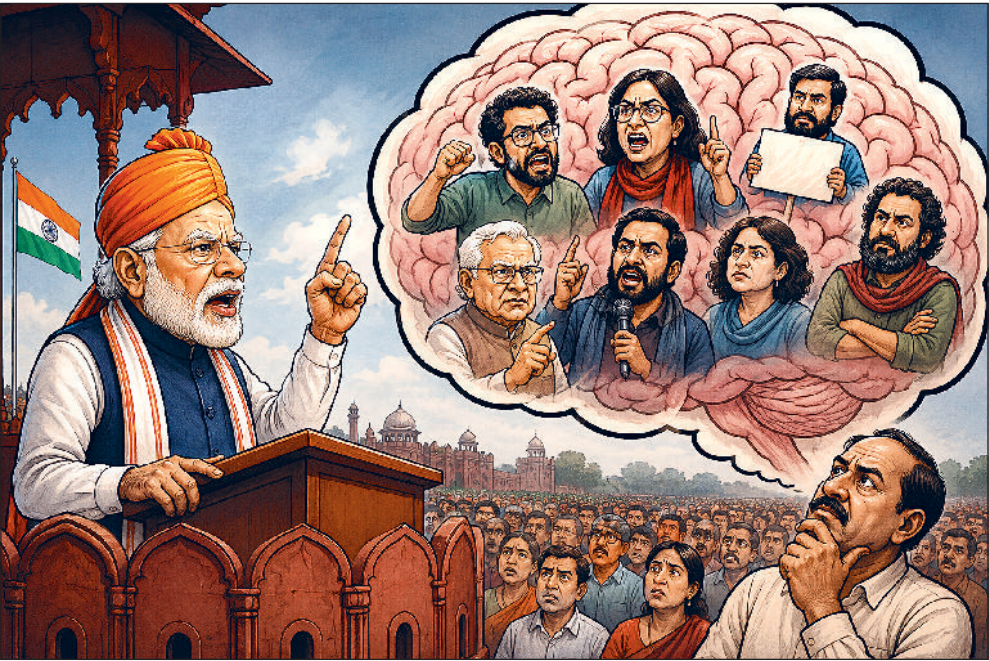
भारत के राजनीतिक और आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में ‘दिमागी नक्सल’ शब्दावली को लेकर एक तीव्र वैचारिक एवं राजनीतिक बहस छिड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए वक्तव्य के बाद पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की टिप्पणियों ने इस विषय को राजनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत सरकार ने जंगलों से हिंसक और हथियारबंद नक्सलवाद का लगभग पूरी तरह खात्मा कर दिया है। हालांकि उन्होंने आगाह किया कि देश को अब ‘दिमागी नक्सलियों’ से सतर्क रहने की जरूरत है जो शहरी और शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से समाज में अराजकता और वैचारिक हिंसा फैलाने की फिराक में रहते हैं। इसके जवाब में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया पर पलटवार करते हुए लिखा, “मुझे दिमागी नक्सली होने पर गर्व है।” वहीं आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि यदि सरकार से सवाल पूछना, जनहित के मुद्दे उठाना और देशभक्ति के साथ व्यवस्था का विरोध करना दिमागी नक्सलवाद है तो वे भी ‘दिमागी नक्सली’ हैं और उन्हें इस पर गर्व है। बीजेपी और सुरक्षा विशेषज्ञों का तर्क है कि जहां एक ओर एनडीए सरकार के प्रयासों से बंदूकधारी नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं द्वारा इस शब्दावली को स्वयं पर ओढ़ना उनकी वैचारिक दिशा पर सवाल खड़े करता है। बीजेपी ने पी. चिदंबरम के बयान पर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 2006 के उस बयान की याद दिलाई जिसमें उन्होंने नक्सलवाद को ‘देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा’ बताया था। बीजेपी का तर्क है कि एक पूर्व गृह मंत्री का स्वयं को नक्सलवाद के किसी भी रूप से जोड़ना राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति



विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों का मानना है कि 'अर्बन नक्सल' या 'दिमागी नक्सल' जैसे शब्दों का प्रयोग सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और असहमति जताने वाले बुद्धिजीवियों को चुप कराने और उन्हें बदनाम करने के लिए करती है।

मानना है कि 'अर्बन नक्सल' या 'दिमागी नक्सल' जैसे शब्दों का प्रयोग सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और असहमति जताने वाले बुद्धिजीवियों को चुप कराने और उन्हें बदनाम करने के लिए करती है। उनका दावा है कि उनका विरोध जनहित, संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। भारत में वामपंथी उग्रवाद यानी लाल आतंक का इतिहास आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों में सबसे जटिल रहा है। हालांकि बीते एक दशक में भारत सरकार की त्रिस्तरीय नीति- सुरक्षा, विकास और

वाला 'अर्बन नेटवर्क' तंत्र सपोर्ट करता है। पी. चिदंबरम और अरविंद केजरीवाल जैसे राजनेताओं पर आलोचकों द्वारा नक्सल-सहानुभूति या प्रशासनिक उदासीनता के आरोप लगाए जाते रहे हैं, जबकि दोनों नेताओं और उनके समर्थकों का यह तर्क रहा है कि वे नागरिक अधिकारों, आदिवासी हितों और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की बात करते हैं। जमीनी आंकड़ों और सुरक्षाबलों की कार्रवाई से यह स्पष्ट है कि रणनीतिक घेराबंदी, बेहतर बुनियादी ढांचे और सख्त सुरक्षा नीति के कारण भारत में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है।



न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण जरूरी

एक स्वस्थ, परिपक्व और विकासशील लोकतंत्र में सरकार से कड़े सवाल पूछना, उसकी जनविरोधी नीतियों की तीखी आलोचना करना और कमजोर तथा शोषित वर्गों के अधिकारों के लिए सड़क पर उतरकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराना कोई अपराध नहीं है बल्कि यह एक जागरूक नागरिक का परम कर्तव्य है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए खड़े होने वाले हर व्यक्ति या विश्वविद्यालयों में बौद्धिक बहस करने वाले हर छात्र को संदेह की दृष्टि से देखना और उसे नक्सलवाद का चालू पहना देना स्वयं लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हो सकता है। यदि असहमति को राष्ट्रद्रोह मान लिया गया तो समाज की सोचने-समझने की शक्ति क्षीण हो जाएगी और एक डर का माहौल पैदा होगा, जो अंततः देश के मानसिक और बौद्धिक विकास की ही पूरी तरह से

अवरुद्ध कर देगा। इस पूरे विमर्श को एक बेहद संतुलित, तार्किक और मानवीय नजरिए से देखने की आवश्यकता है। हमें उन विघटनकारी ताकतों, छात्र विचारकों और विदेशी इशारों पर काम करने वाले उन तत्वों को पहचानकर कानून के दायरे में रोकना नितांत आवश्यक है जो हमारे युवाओं के भविष्य और देश की शांति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। हमें एक ऐसी न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण करना होगा, जहां राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर किसी निर्दोष या सवाल पूछने वाले नागरिक का उत्पीड़न न हो और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कोई भी हमारे राष्ट्र की शांति को आग न लगा सके। यही वह संतुलन है जो भारत को भविष्य में एक सशक्त, सुरक्षित और सही अर्थों में एक विचारशील राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करेगा।

सरकार की नीतियों से असहमति

यह एक धीमा जहर है जो समाज की नसों में इस तरह घोला जाता है कि बीमार होने वाले को अपनी बीमारी का अहसास तक नहीं होता। जब विदेशी मंचों पर देश की छवि को जानबूझकर धूमिल किया जाता है, जब विकास की हर परियोजना को पर्यावरण या अधिकारों के नाम पर रोकने की साजिश रची जाती है, तो निश्चित रूप से यह देश की शांति और आर्थिक सुरक्षा के लिए एक बहुत बड़ा और गंभीर खतरा बन जाता है। हालांकि, इस विमर्श का एक दूसरा और उतना ही महत्वपूर्ण तथा मानवीय पहलू भी है जो सीधे तौर पर हमारे जीवंत लोकतंत्र की सेहत और आम नागरिकों की स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है। आलोचकों, स्वतंत्र विचारकों, पत्रकारों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं की यह एक बहुत ही गहरी और वाजिब चिंता है कि 'दिमागी नक्सल' या 'अर्बन नक्सल' जैसे शब्दों की हमारे संविधान या दंड संहिता में कोई स्पष्ट कानूनी या अकादमिक परिभाषा मौजूद नहीं है। जब किसी अपराध या गतिविधि की कोई स्पष्ट सीमा रेखा नहीं होती तो इस बात का डर हमेशा और बहुत मजबूती से बना रहता है कि कहीं इस भारी-भरकम शब्द का इस्तेमाल सत्ता द्वारा उन तमाम लोकतांत्रिक आवाजों को डराने, धमकाने या कुचलने के लिए न किया जाए, जो केवल व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं या सरकार की नीतियों से तार्किक रूप से असहमत हैं।

संवाद की खिड़की को खुला रखे सरकार



जेन-जी

डॉ. विजेंद्र कुमार

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें सोचने की और सवाल पूछने का आजादी होती है। लेकिन क्या हो जब ये सवाल सत्ता के कानों में चुभने लगें? क्या हो जब एक पूरी नई पीढ़ी, जिसे हम 'जेन-जी' कहते हैं, पुरानी व्यवस्था से ऐसे सवाल पूछने लगे जिन्हें जवाब फाड़लें और भाषणों में नहीं मिलते? आज के समय में ऐसे ही सवाल पूछने वाले युवाओं, विचारकों और आम नागरिकों को एक नया नाम दे दिया गया है, जिसे 'दिमागी नक्सल' कहा जा रहा है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाकई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल या अर्बन नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। इसका इस्तेमाल उन लोगों के लिए किया जा रहा है जिनके हाथों में बंदूक नहीं, बल्कि किताबें, कीबोर्ड और स्मार्टफोन हैं। ये वो लोग हैं जो पर्यावरण को मत करते हैं, जो रोजगार मांगते हैं, जो परीक्षा के पेपर लीक होने पर सड़क पर उतर आते हैं, या जो किसी अन्याय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपना विरोध दर्ज करते हैं। जब सत्ता इन तत्वों का जवाब तर्कों से नहीं दे पाती, तो वह एक आसान रास्ता चुनती है, ठप्पा लगाने का। किसी को दिमागी नक्सल कह देना दरअसल उसकी आवाज को, उसकी पीड़ा को और उसके सच को खारिज करने का एक बेहद चालाक तरीका है। जब आप किसी युवा को यह तमना दे देते हैं, तो आपको उसके उठाए गए असली मुद्दों पर जवाब नहीं देना पड़ता और वह समाज की नजरों में एक



व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। कड़े कानूनों का इस्तेमाल अब अपराधियों से ज्यादा उन युवाओं और विचारकों पर हो रहा है।

एक डिजिटल सैलाब ला देते हैं। सरकारों परेशान हैं क्योंकि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि इस पीढ़ी से कैसे लड़ा जाए। जेन-जी के पास न खोने के लिए कोई बड़ा राजनीतिक करियर है और न ही वे पुरानी विचारधाराओं के बंधनों में बंधे हैं। वे बहुत साफ, सीधे और बेबाक सवाल पूछते हैं। व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। अंग्रेजों के बनाए हुए या नए कड़े कानूनों का

सड़क पर उतरता है। एक लड़की जो रात में सड़कों पर अपनी सुरक्षा की गारंटी मांग रही है, या वो व्यक्ति जो अपने जल, जंगल, जमीन को बचा रहा है, वे कोई दिमागी नक्सल नहीं हैं। जेन-जी के पास बहुत ज्यादा अपेक्षाएं नहीं हैं। अगर सरकारें सचमुच देश का विकास चाहती हैं, तो उन्हें इन युवाओं से डरने या उन्हें कुचलने के बजाय, उनके सवालों के जवाब ढूंढने होंगे। उन्हें दिमागी नक्सल कहकर खारिज करने से समस्या हल नहीं होगी; बल्कि यह संवाद की उस खिड़की को हमेशा के लिए बंद कर देगा, जो एक बेहतर भविष्य के लिए बहुत जरूरी है।

चुनी हुई सरकार से सवाल करना नागरिक का अधिकार



बहस

चरणजीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच सत्ता प्राप्ति की चाहत में निरंतर एक संघर्ष और विमर्श चलता रहता है और चलता भी रहना चाहिए। इसी से लोकतंत्र की सेहत दुरुस्त रहती है क्योंकि इसी संघर्ष से चुनौती वादे और नैरेटिव का जन्म होता है। लोकतंत्र में अगर विपक्ष निष्क्रिय हो जाएगा तो सत्ता को राजशाही में बदलने से कोई नहीं रोक सकता। इधर सत्ता में बैठी हुई पार्टी भी अपनी सत्ता को बनाए रखने की कोशिश में नारे और नैरेटिव का खेल खेलती है। इसी नैरेटिव को गढ़ने की कोशिश में नए शब्द गढ़े जाते हैं। शब्दों की इसी शृंखला में कई वर्ष पहले 'अर्बन नक्सल' एक शब्द आया था। अब इसी अर्बन नक्सल को और थोड़ा परिष्कृत करके प्रधानमंत्री के द्वारा लाल किले की प्राचीर से एक नया शब्द 'दिमागी नक्सल' का प्रयोग हुआ। शब्द के प्रयोग के बाद उसकी व्याख्या शुरू हुई, वाद-विवाद हुए, अर्थ-अनर्थ निकाले गए। इस तरह एक शब्द को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई। विपक्ष के लोगों ने 'दिमागी नक्सल' शब्द को अपनी परिभाषा दी है, जो भी सत्ता से सवाल पूछेगा उसको 'दिमागी नक्सल' बोला जाएगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था मत देने वाले हर व्यक्ति को यह अधिकार देती है कि वह अपनी चुनी हुई सरकार से सवाल करे। इन सवालों की प्रार्थना सत्ता उस वक्त और बढ़ जाती है जब व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर परिस्थानों निरंतर बढ़ने लगती हैं और उनके समाधान नहीं ढूँढे जाते हैं। देश में फिखले कई वर्षों से पेपर लीक एवम बड़ी समस्या बनकर उभरा है। पेपर लीक के इन मामलों में कई रसखुश लोग भी पकड़े गए, लेकिन समस्या खत्म होने के बजाए और बढ़ती गई। आखिर देश की युवा पीढ़ी का गुस्सा आम बनकर सड़कों पर उतरा जिसने हिंसा का रूप ले लिया। कई सुरक्षाकर्मों घायल हुए जो नहीं होने चाहिए थे। सरकार में शीर्ष पदों पर बैठे हुए लोगों के लिए अमरद भाषा का प्रयोग हुआ जो नहीं होना चाहिए था। इसी संदर्भ में सत्ता और विपक्ष दोनों तरफ से कुछ नए नैरेटिव गढ़े गए और नए शब्दों का भी प्रयोग हुआ, इसलिए सवाल भी दोनों तरफ उठते हैं। क्या सत्ता से सवाल पूछना अपराध है या सरकार के किसी कुरूप का विरोध करना गुनाह है या सवाल पूछने वालों को प्रभावहीन बताकर उनकी उपेक्षा करना उचित है। बहुत आवश्यक है कि लोकतंत्र में सत्ता की तरह हलचल होती रहनी चाहिए। दूसरी तरफ विपक्ष का भी यह धर्म है कि वह अपनी बंदूक समाज के किसी ऐसे वर्ग के कर्त्यों पर ना रखे, जो नासुम हो। जंतर-मंतर पर होने वाले छात्र आंदोलन के माध्यम से जो कुछ हुआ, वह विरोध कम संघर्ष अधिक था। शीर्ष पर बैठे लोगों के लिए जिस तरह के अपशब्दों का प्रयोग किया गया, वह किसी भी सम्य समाज में जायज नहीं ठहराया जा सकता। शायद इसी को काउंटर करने के लिए प्रधानमंत्री को 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग करना पड़ा। 'अर्बन नक्सल' से दिमागी नक्सल तक की ये शब्दिक यात्रा अनयायस नहीं है। इसके पीछे भी बहुत सारे तर्क हैं। केवल जंतर-मंतर के आंदोलन से इसे जोड़ना ठीक नहीं होगा। भारत के बड़े भूभाग जिसमें बंगाल, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र तक नक्सलवाद का प्रभाव रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ तो नक्सलवाद के केंद्र के रूप में उभरा है। लेकिन गुज्र मंत्रालय और भारतीय सशस्त्र बलों के अथक प्रयास के पश्चात देश के सभी हिस्सों से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो चुका है। अब सरकार को चिंता इस बात की है कि इसी विचारधारा के शहरों में बैठे लोग कहीं फिर से युवाओं के मन में इस विचार का बीजरोपण न कर दें। इसी को लेकर सरकार की चिंताएं बहुत हद तक वाजिब भी हैं। यह मामला कितना हेवेदमशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा ताकि देश के जनमानस को इस 'दिमागी नक्सलवाद' के खिलाफ आगाह किया जा सके। सरकारों के प्रति या उसकी नीतियों के प्रति लोगों का गुस्सा जायज हो सकता है, लेकिन एक सम्य लोकतंत्र में विरोध के नाम पर किसी को भी हथियार उठाने या गाली देने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। अगर विरोध के नाम पर ये सब होता है तो निश्चित रूप से यह चिंता का विषय है। सत्ता और समाज के बीच जब भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो समाज के चौध पिलर 'न्याय पालिका' की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। अपने हक के लिए संघर्ष करते लोगों पर किया जाने वाला बल प्रयोग अगर अनुचित है तो व्यवस्था कायम करने वाले सुरक्षाकर्मियों पर पटर चालना, उन्हें गाली देना भी पूर्णतया बहिष्कार करने योग्य है। जब दोनों पक्ष आपसी को सही ठहराने लगे तो न्यायपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इस पूरी बहस का निष्कर्ष यही है कि सरकार को समझना चाहिए कि सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं होता और विपक्ष को भी यह समझना चाहिए कि सरकार और देश के विरोध में खिंची हुई लक्ष्मण रेखा कभी अदृश्य न हो, न ही धुंधली पड़े। सरकारें आती हैं और चली जाती हैं, देश हमेशा रहता है। कोई सत्ता में हो या विपक्ष में देश का कानून और देश का समाज सर्वोपरि है। उसे किसी भी प्रकार की ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। सत्ता के लालच में कोई व्यक्ति या पार्टी अगर गलत अकर्म लेता है तो वह स्वीकार्य नहीं है। साथ ही सरकार को भी अपनी मर्यादा में समझनी चाहिए।

यह मामला कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा, ताकि देश के जनमानस को इस 'दिमागी नक्सलवाद' के खिलाफ आगाह किया जा सके।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच आज सुबह 10 बजे से

एजेंसी ►► कोलंबो

पहले टेस्ट मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर विदेशी धरती पर 3 साल में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने की कोशिश करेगी जबकि कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की निगाह बड़ा स्कोर बनाने पर होगी।

2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी सीरीज

भारत ने विदेश में अपनी आखिरी टेस्ट श्रृंखला जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी। उसके बाद से भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ उनके घरेलू मैदान पर श्रृंखला बराबर की थी। इस बीच उसे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से घरेलू धरती पर हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत के साथ कुछ हद तक वापसी की है, जिससे कप्तान गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर को राहत मिली होगी।



कप्तान के रूप में गिल का प्रदर्शन शानदार

भारत को इस मैच में गिल और जायसवाल से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। गिल अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपनी पिछली छह पारियों में दो शतक बनाए हैं। लेकिन पिछले मैच में उनका बल्ला नहीं चल पाया था। उन्हें विशेषकर बाएं हाथ की स्पिनर के सामने दिक्कत हो रही है। गॉल में दोनों पारियों में उन्हें ख़ब्सू स्पिनर प्रभात जयसूरा ने आउट किया। इसके अलावा कप्तान के रूप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। गिल ने कप्तानी संभालने के बाद 10 टेस्ट मैचों में 73 से अधिक के औसत से 1100 रन बनाए हैं। वह कप्तान के रूप में विदेश में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के लिए भी प्रतिबद्ध होंगे।

डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचने की उम्मीद

भारत अगर इस श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लेता है, तो वह 57.58 प्रतिशत अंकों के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच सकता है। लेकिन यह बांग्लादेश की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में हार पर ही संभव हो पाएगा। इंग्लैंड में पहले टेस्ट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाला बांग्लादेश अभी चौथे स्थान पर है।

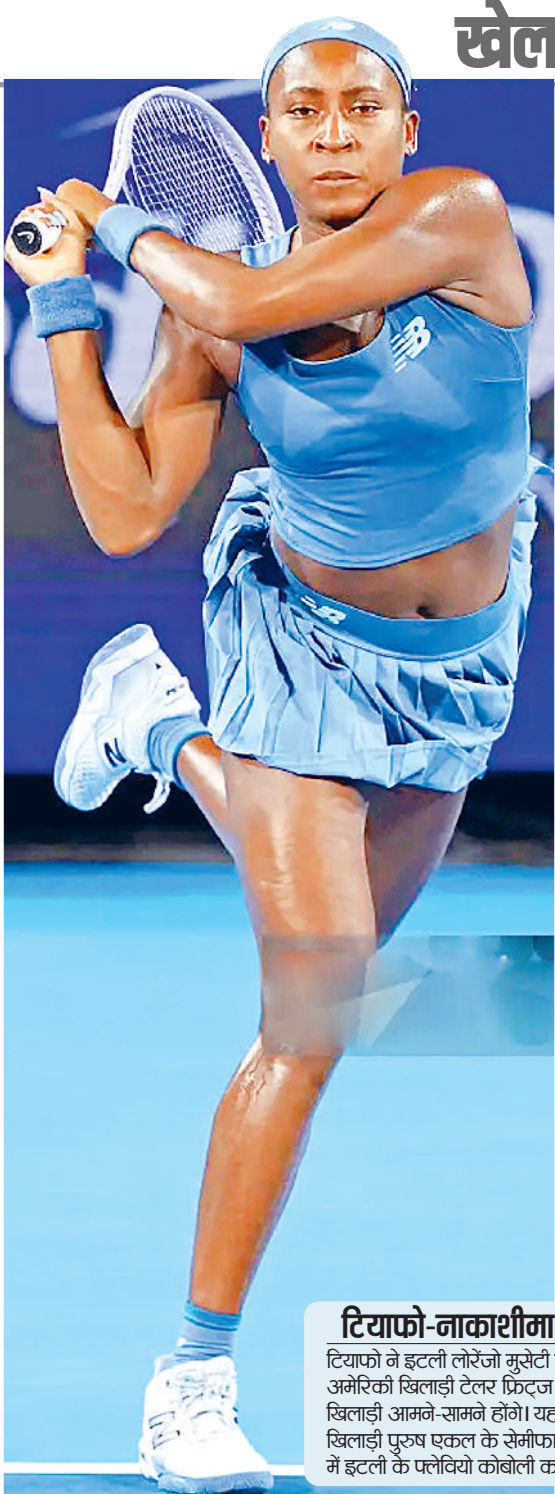
सारांश को मिल सकता है पदार्पण का मौका

इस पर भी सब की नजर रहेगी कि कुलदीप यादव अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं या नहीं। पहले मैच में पिच से काफी मदद मिलने के बावजूद उन्होंने दो पारियों में 25 ओवरों में सिर्फ एक विकेट लिया था। कुलदीप पहले टेस्ट मैच में गेंदबाजों में सबसे महंगे साबित हुए, उन्होंने प्रति ओवर चार से अधिक रन लुटाए। श्रीलंका की टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजों को देखते हुए ऑफ स्पिनर सारांश जैन को पदार्पण का मौका मिल सकता है। लेकिन सिर्फ एक मैच के बाद किसी सीनियर गेंदबाज को टीम से बाहर करना गलत संकेत दे सकता है।

श्रीलंका टीम में सकारात्मक बदलाव

श्रीलंका को अगर श्रृंखला में वापसी करनी है तो उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को धैर्य के साथ खेलना होगा। उन्हें उम्मीद होगी कि शानदार फॉर्म में चल रहे कामिल मिशारा और साहन अरचिंगे को टीम में शामिल करने से सकारात्मक बदलाव आएगा।

मैच का समय : सुबह 10 बजे



एजेंसी ►► मेसन

सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंची कोको गॉफ

कोको गॉफ ने नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक को 6-2, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह ओपन एरा में 23 साल की उम्र से पहले सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी भी बन गई हैं। कोको गॉफ ने मार्टा कोस्त्युक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शांट चुने और दूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया। सेमीफाइनल में कोको गॉफ का सामना सारा बेजलेक से होगा।

बेजलेक ने मैडिसन कीज को दी मात

सारा बेजलेक ने एक सेट से पिछड़ने के बाद और आखिर में तीसरे सेट के ट्राईब्रेक में 4-2 से पिछड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची हैं। बेजलेक ने फरवरी में अबू धाबी ओपन में क्वालीफायर के तौर पर अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर टाइटल जीता था। बेजलेक की अब तक की शानदार जीत में उनकी हमवतन कैरोलिन प्लिसकोवा और बारबोरा क्रेजसिकोवा भी शामिल हैं, जो सबालंका और कीज के साथ पहले डब्ल्यूटीए 1000 चैंपियन बन चुकी हैं। 2009 के बाद से, बेजलेक डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में ऐसी चार खिलाड़ियां को हराने वाली सिर्फ दूसरी खिलाड़ी हैं, इससे पहले प्लिसकोवा ने आठ साल पहले मैडिड में ऐसा किया था।

टियाफो-नाकाशीमा ने कटायो सेमीफाइनल का टिकट

टियाफो ने इटली लोरेंजो मुस्टेटी को 7-6 (2), 7-5 से और नाकाशीमा ने हंगवतन अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 4-6, 6-3 से हराया। अंतिम चार में यह दोनों खिलाड़ी आमने-सामने होंगे। यह 2010 के बाद पहला अवसर है जबकि अमेरिका के दो खिलाड़ी पुरुष एक्लत के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पुरुष एक्लत के दूसरे सेमीफाइनल में इटली के फ्लेवियो कोबोली का मुकाबला फ्रांस के आर्थर फिट्स से होगा।

स्नबर संक्षेप



एडवेंटहेल्थ गोल्फ चैंपियनशिप संयुक्त बढ़त पर रेहान

कंसास सिटी। दुबई में जन्मे भारतीय गोल्फर रेहान थॉमस ने पहले राउंड में 64 का स्कोर बनाने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरे राउंड में सात अंडर 65 का स्कोर बनाया, जिससे उन्होंने एडवेंटहेल्थ गोल्फ चैंपियनशिप में 7 खिलाड़ियों के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। थॉमस दो राउंड के बाद 15-अंडर के स्कोर के साथ टेलर डिकसन, जोसेफ ब्रेमलेट, डेविड शोर, जॉन मार्शल बटलर, क्रिस फ्रैंकोयर और पहले राउंड में शीर्ष पर रहने वाले एंड्रयू कोजान के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। थॉमस ने दसवें होल पर दो बर्डी के साथ शुरुआत की लेकिन उन्होंने 12वें होल में बोगी कर दी। उन्होंने 13वें होल पर इंगल लगाया जबकि 16वें होल पर बोगी करने बाद आगेले दो होल पर बर्डी बनाई। थॉमस ने दूसरे होल पर एक शांट गंवाया, लेकिन तीसरे होल पर बर्डी लगाई। इसके बाद उन्होंने पांचवें से सातवें होल तक लगातार तीन बर्डी लगाई। इस तरह से उन्होंने आठ बर्डी और एक इंगल के अलावा तीन बोगी की।

एशियाई खेलों के लिए मंत्रालय ने 492 खिलाड़ियों को मंजूरी दी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने अगले महीने जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए शनिवार को 492 खिलाड़ियों वाले दल को मंजूरी दे दी जिसमें एथलेटिक्स के खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक 73 है। इस दल में 265 पुरुष और 227 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। हालांकि, मंत्रालय ने 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक आइची-नागोया में होने वाले एशियाई के लिए अभी तक दल के साथ जाने वाले सहयोगी स्टाफ की सूची जारी नहीं की है। सहयोगी स्टाफ की सूची एक सप्ताह के भीतर या उससे भी पहले जारी कर दी जाएगी। सभी टीम के लिए फिजियो और मेडिकल स्टाफ जैसे खेल विज्ञान विशेषज्ञों की संतुलित मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए सूची में फिर से बदलाव किया जा रहा है। खिलाड़ियों की सूची कम्पेन्स वही है जिसकी सिफारिश आईओए (भारतीय ओलंपिक संघ) ने की थी। कुछ खिलाड़ियों के नाम को डोपिंग उल्लंघन के कारण हटा दिया गया है, जैसा कि पहले से दर्ज हो चुका है।

प्रीमियर लीग : डिफेंडिंग चैंपियन आर्सेनल का विजयी आगाज

एजेंसी ►► लंदन

आर्सेनल ने एमिरेट्स स्टेडियम में प्रमोटेड कोवेंट्री सिटी को 3-0 से हराकर अपने प्रीमियर लीग खिताब को डिफेंड करने की शानदार शुरुआत की। आर्सेनल की सामरिक रणनीति में सबसे उल्लेखनीय बात नए खिलाड़ियों का शानदार तालमेल है। क्रिस्टोस त्वोलिस ने लगातार आक्रामक करते हुए बाएं विंग पर अपनी काबिलियत साबित कर दी, जिससे विरोधी टीमों के डिफेंस सतर्क हो गए।

ग्रीक खिलाड़ी ने शुरुआती दो गोलों में अहम योगदान दिया। खास तौर पर, उनके खतरनाक क्रॉस ने गोलकीपर राशवर्थ को मुश्किल बचाव करने पर मजबूर कर दिया, जिससे बुकायो साका को बढ़त को दोगुना करने का शानदार मौका मिल गया। मिकेल आर्टेटा और उनके खिलाड़ियों ने फ्रैंक लैम्पार्ड की कोवेंट्री टीम पर आसानी से अपना दबदबा बना लिया।

आर्सेनल ने कोवेंट्री सिटी को 3-0 से दी मात



मैनेजर मिकेल आर्टेटा की लीग में 150 जीत

कप्तान मार्टिन ओडेगार्ड ने खेल में जगह और गति को व्यवस्थित करने में अहम भूमिका निभाई। नॉर्वेजियन मिडफील्डर के उस गोल ने, जिसने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही 3-0 की जीत सुनिश्चित कर दी, टीम की लगातार उच्च दबाव वाला खेल बनाए रखने की क्षमता का स्पष्ट प्रमाण दिया। मैनेजर मिकेल आर्टेटा लीग में 150 जीत हासिल कर ली हैं। उन्होंने पेप गार्डियोला या सर एलेक्स फर्ग्यूसन जैसे शीर्ष रणनीतिकारों की बराबरी कर ली है। वह पेप गार्डियोला (204 मैच), जोस मोरिन्हो (231), जुर्गेन क्लॉप (237), और सर एलेक्स फर्ग्यूसन (247) के बाद 250 से कम मैचों में यह मुकाम हासिल करने वाले सिर्फ पांच मैनेजरों में से एक बन गए।

अंडर-20 वर्ल्ड कुश्ती प्रतियोगिता

भारत की महिला टीम ओवरऑल दूसरे स्थान पर

हरियाणा की पहलवानों ने 5 पदक कब्जाए



हरिभूमि न्यूज ►► रोहतक

■ पहलवानों ने 1 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य अपने नाम किए

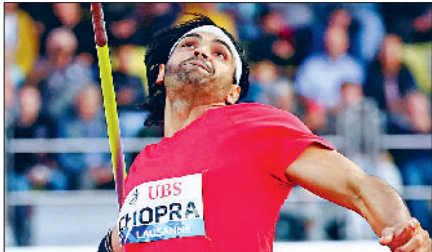
अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिला कुश्ती टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल दूसरा स्थान हासिल किया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश के अलग-अलग राज्यों और जिलों से ताल्लुक रखने वाली महिला पहलवानों ने कुल 6 शानदार पदक (1 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य) अपने नाम किए हैं, जिससे पूरे देश में जश्न का माहौल है। इसमें पांच हरियाणा की पहलवानों ने पदक जीते। अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला पहलवान बर्नी सोनीपत काजल ढोचक ने 76 किग्रा भार वर्ग के फाइनल मुकाबले में चीन की जिंगरू सन को 7-0 से करारी शिकस्त देकर देश के लिए स्वर्ण पदक जीता। जौद पहलवान मानसी लाठर ने 68 किग्रा वर्ग में शानदार दांवपेंच दिखाते हुए फाइनल तक का सफर तय किया, हालांकि खिताबी मुकाबले में उन्हें चीन की चेनिलिंग सांग के खिलाफ 1-2 से करीबी हार का सामना करना पड़ा

और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हांसी की तनु शर्मा ने 72 किग्रा वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में जापान की चिसातो योशिदा को कड़ी टक्कर दी, लेकिन वह 3-5 से मुकाबला हारकर रजत पदक अपने नाम करने में सफल रहीं। रोहतक की सविता ने 62 किग्रा वर्ग में फाइनल में जगह बनाई, जहां उन्हें जापान की साकुरा ओनीशी के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। महाराष्ट्र की तानवी गुंडेश मगदूम ने 57 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक प्लेऑफ मुकाबले में कनाडा की अग्निया क्राकोव्स्का को 10-4 के बड़े अंतर से हराकर पोलियम पर अपनी जगह पक्की की। वहीं, पानीपत की कोमल ने 59 किग्रा वर्ग में अपने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हंगरी की एडा बालाज को 5-2 से मात देकर देश के लिए कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय महिला खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन से कुश्ती जगत में भारत का मान और बढ़ गया है।

नीरज दूसरे स्थान पर रहे, पथिरागे ने लुसाने डायमंड लीग में खिताब जीता

भाषा ►► लुसाने

भारतीय भाला फेंक के दिग्गज खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने एक साल से अधिक समय में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन शुक्रवार को यहां लुसाने डायमंड लीग में श्रीलंका के उमरते सितारे रमेश पथिरागे ने सिर्फ नौ सेंटीमीटर के अंतर से उन्हें स्वर्ण पदक से वंचित कर दिया। चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में 88.05 मीटर का थो किया, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इससे यह 28 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी नौ खिलाड़ियों के मुकाबले में दूसरे स्थान पर रहा। यह इस सत्र का उनका सर्वश्रेष्ठ थो भी था। दरअसल चोपड़ा का यह पिछले साल जून के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। उन्होंने तब पेरिस डायमंड लीग जीतने के दौरान 88.16 मीटर का थो किया था। लेकिन 23 वर्षीय पथिरागे ने इस सत्र में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर के थो के साथ चोपड़ा को पीछे छोड़ दिया। चोपड़ा ने हालांकि दूसरे स्थान पर रहकर डायमंड लीग फाइनल के लिए त्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को मजबूती प्रदान की। वह साल के आखिर में होने वाले डायमंड लीग फाइनल की रैंकिंग में सातवें स्थान से आगे बढ़कर शीर्ष पांच में पहुंच गए हैं।



वेनान्डा के एंडरसन पीटर्स ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 86.69 मीटर की दूरी तय करके तीसरा स्थान हासिल किया। त्रिनिदाद और टोबैगो के मौजूदा विश्व चैंपियन केशेन वालर्कोट 83.71 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थो के साथ चौथे स्थान पर रहे। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 78.13 मीटर के साथ छठे स्थान पर रहे, जबकि तोक्वो ओलंपिक के रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के जैकब वाडलेन ने 77.32 मीटर के साथ सातवां स्थान हासिल किया। चोपड़ा ने बाद में कहा कि शीर्ष स्थान के लिए उनके और पथिरागे के बीच कड़ी टक्कर थी।

एफआईएच विश्व कप : 3-1 से दी शिकस्त, आखिरी 15 मिनट में बदला खेल

नीदरलैंड से हारकर भारत सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर

भाषा ►► एक्सटेलवीन

आखिरी क्वार्टर में दो गोल गंवाने का खामियाजा भारत को भुगतना पड़ा और पहले हाफ में शानदार प्रदर्शन के बावजूद नीदरलैंड के हाथों 3-1 से हारने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को एफआईएच विश्व कप में सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। भारत को अंतिम चार में पहुंचने के लिये यह मैच हर हालत में जीतना था लेकिन अच्छी शुरुआत के बावजूद आखिरी दस मिनट में की गई गलतियों ने भारत को मैच से बाहर कर दिया। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम को अब दूसरे दौर का



आखिरी मैच सोमवार को अर्जेंटीना से खेलना है। इसके बाद टीम पांचवें से आठवें स्थान के क्लामीफिकेशन मुकाबले खेलेगी। भारत के लिये मैच में एकमात्र गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 52वें मिनट में किया।

नीदरलैंड के लिये डुको टेलगेनकेम्प (41वां), येप होडेमेकर्स (51वां) और वान डैम थिप (55वां) ने गोल दामे। पहले दौर में इंग्लैंड से हारने वाली भारतीय टीम दूसरे दौर में कोई अंक लेकर नहीं आई थी। अब अर्जेंटीना

कंगारुओं के खिलाफ आर-पार का महामुकाबला आज

एम्सटेलवीन। ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीदरलैंड से पिछले मैच में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद पराजय का सामना करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम को अब सेमीफाइनल की लौड़ में बने रहने के लिए रविवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले को 'क्वार्टर फाइनल' की तरह खेला होगा। दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारत को दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड ने शुक्रवार को 2-0 से हराया, जो इस विश्व कप में उसकी पहली हार थी। मिनट में भारत ने दबाव बनात हुए डिफेंस और खासकर गोलकीपरों ने शानदार प्रदर्शन किया वरना सह मेजबान किया लेकिन डच डिफेंडरों ने टीम की जीत का अंतर और अधिक हो सकता था।



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्योंकि सच्ची सहेली में हैं **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

कठिन दर्द

चिड़चिड़ापन

थकान

कमजोरी

कमर कटना

इम्यूनिटी



सच्ची सहेली

पेरिस में बीएपीएस मंदिर सितंबर में होगा शुरू

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस के उपनगर 'बूसी-सेंट-जॉर्जेस' में भव्य बीएपीएस स्वामीनारायण हिंदू मंदिर

उद्घाटन के समीप पहुंच गया है। मंदिर के शिखरों और केंद्रीय गुंबद पर कलश एवं ध्वजा दंड पूजन जैसी पारंपरिक वैदिक रस्में पूरी की जा रही हैं। उद्घाटन 2 से 14 सितंबर तक आयोजित होने वाले 13 दिवसीय 'पेरिस मंदिर महोत्सव' के दौरान किया जाएगा।

भारत के मुरीद हुए पाक मंत्री इकबाल, बोले

एजेसी ►► इस्लामाबाद

पाकिस्तान के मंत्री अहसान इकबाल ने एक कार्यक्रम में भारत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता, खासतौर से दक्षिण एशिया में शांति के लिए भारत अहम है। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण एशिया के बिल्कुल केंद्र में है। बाकी सभी देश इसके आसपास हैं। ऐसे में दक्षिण एशिया के कामकाज के लिए भारत की भूमिका बहुत अहम है।

दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए नई दिल्ली की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण

पाक मंत्री इकबाल ने कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता, खासतौर से दक्षिण एशिया में शांति के लिए भारत अहम है।

भारत पानी को पाक के खिलाफ हथियार बना रहा

सिंधु नदी पाक मंत्री अहसान इकबाल

पंजाब में बाढ़ के लिए भारत जिम्मेदार
अहसान इकबाल ने सिंधु संधि के मामले में भारत आरोप लगाए हैं। बीते साल अगस्त में पंजाब में बाढ़ के लिए उन्होंने भारत को जिम्मेदार ठहराया है। इकबाल ने तब कहा था कि भारत पानी की हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। भारत के रावी और सतलुज नदियों में पानी छोड़ देने के वजह से पाकिस्तान के पंजाब और पीओके में बाढ़ आई है।

सिंधु जल संधि स्थगित

पहलगांव में बीते 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। भारत और पाकिस्तान में साल 1960 में सिंधु जल संधि हुई थी। इसके तहत भारत और पाकिस्तान के बीच नदियों के पानी का बंटवारा किया गया है। इस संधि के निलंबित होने से पाकिस्तान के सामने जल संकट का खतरा मंडरा रहा है।

पीओके प्रदर्शन दिखाने पर चिढ़ा पाक पत्रकार को आतंकी सूची में डाला

पाक सरकार ने पत्रकार और रिसर्चर दानिश इरशाद को फोर्थ शेड्यूल यानी आतंकवाद निगरानी सूची में शामिल कर दिया है। इरशाद ने पीओके में हाल के विरोध प्रदर्शनों पर लगातार रिपोर्टिंग की थी। उन्होंने सुरक्षा बलों की कार्रवाई से प्रभावित परिवारों से भी बातचीत की थी। अब उनका नाम पाकिस्तान की फोर्थ शेड्यूल लिस्ट में डाल दिया गया है। यह कार्रवाई 29 जुलाई को कथित तौर पर पीओके के गुह विभाग के आदेश से हुई। इस सूची में ऐसे लोगों को रखा जाता है, जिन पर आतंकवादी संगठनों से संबंध होने का शक जताया जाता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इरशाद का नाम 24 लोगों की सूची में 12वें नंबर पर है। आदेश में जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट आवाजी एक्शन कमेटी (जेएएससी) से जुड़े लोगों का उल्लेख किया है। हालांकि इरशाद के खिलाफ किसी खास घटना या अपराध का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है। उनके खिलाफ किसी अदालत में मुकदमा चलने या दोष साबित होने की भी जानकारी नहीं है।

जिन पर आतंकवादी संगठनों से संबंध होने का शक जताया जाता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इरशाद का नाम 24 लोगों की सूची में 12वें नंबर पर है। आदेश में जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट आवाजी एक्शन कमेटी (जेएएससी) से जुड़े लोगों का उल्लेख किया है। हालांकि इरशाद के खिलाफ किसी खास घटना या अपराध का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है। उनके खिलाफ किसी अदालत में मुकदमा चलने या दोष साबित होने की भी जानकारी नहीं है।

भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे

आज से दो दिवसीय मॉस्को दौरे पर विदेश मंत्री जयशंकर, रूसी समकक्ष लावरोव से करेंगे मेंट

जयशंकर व लावरोव फाइल फोटो

एजेसी ►► नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 23 और 24 अगस्त को रूस के आधिकारिक दौरे पर होंगे। वे रूसी संघ के प्रथम डिप्टी पीएम डेनिस मंतुरोव के निमंत्रण पर रूस की आधिकारिक यात्रा करेंगे। इस दौरान वे व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

इस यात्रा के दौरान भारत-रूस साझेदारी के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया, जिनमें व्यापार और निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और गतिशीलता शामिल हैं

►► आईआरआईजीसी के तहत दोनों देश आपसी सहयोग की नियमित समीक्षा करते हैं

भारत-रूस का नया गठबंधन

नॉर्थ-सी रूट से यूरोप पहुंचेगा सामान

मॉस्को। भारतीय जहाजों को उत्तरी यूरोप तक पहुंचने के लिए अब स्वेज नहर का विकल्प नहीं लगाना पड़ेगा। स्वेज नहर के रास्ते इस्मेल लगभग 40 दिन लगते हैं। भारत ने रूस के साथ मिलकर एक नए समुद्री मार्ग के इस्तेमाल का फैसला किया है, जो एशिया से यूरोप की दूरी को 14 दिनों तक कम कर सकता है। इस रास्ते का इस्तेमाल चीन और दक्षिण कोरिया भी करेंगे। पिछले शनिवार को एक चीनी शिपिंग कंपनी सी लीजेंड ने दुनिया के सबसे उत्तरी छोर पर पहली निर्धारित साप्ताहिक कंटेनर सर्विस शुरू की है। दक्षिण कोरिया का पैक्सटर समुद्र रूस के उत्तरी समुद्री मार्ग के जरिए ब्रुसान से ब्रिटेन, नीदरलैंड और पोलैंड अपने जहाज भेजने की योजना बना रहा है। भारत भी इस बौद्ध में पीछे नहीं है और वह भी इस मार्ग का इस्तेमाल करने वाला है।

नॉर्थ सी रूट बड़ी अहमियत
उत्तरी समुद्री मार्ग यानी नॉर्थ सी रूट (एनएसआर) की अहमियत बढ़ने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। पहला, जलवायु परिवर्तन। समुद्र के बढ़ते तापमान का मतलब है कि आर्कटिक की बर्फ की चादर अब गर्मियों में जहाजों का रास्ता रोक नहीं पाएगी। यह रास्ता जुलाई से अक्टूबर तक जहाजों के आवागमन के लिए खुल रहता है।

ट्रंप ने लगाया 50 प्रतिशत टैरिफ अमेरिका-कनाडा के बीच व्यापार डील को लेकर नहीं बनी सहमति

एजेसी ►► वाशिंगटन

अमेरिका-कनाडा के बीच व्यापार समझौते के मुद्दे पर बातचीत टूट गई है और नए समझौतों पर दोनों देशों के बीच सहमति नहीं बन पाई है। इस गतिरोध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। दोनों ही पड़ोसी देशों के बीच पहले से जारी कूटनीतिक और आर्थिक तनाव व्यापारिक समझौतों की वजह पर बढ़ गया है। पिछले साल दोनों देशों के बीच लगभग 880 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने भी अमेरिका पर टैरिफ लगाने के संकेत

डोनाल्ड ट्रंप और मार्क कार्नी

दिया है। मार्क कार्नी ने कहा है कि अपने कर्मचारियों और कारोबारों की सुरक्षा के लिए कनाडा इन टैरिफ का डॉलर के बदले डॉलर के हिसाब से जवाब देगा। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शुक्रवार आधी रात को अमेरिका की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि कनाडा ने हफ्ते की शुरुआत में तय शर्तों के आधार पर समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया।

रूसी तेल के आरोप में 10 साल की जेल के खतरे में भारतीय कैप्टन

एजेसी ►► नई दिल्ली

ब्रिटेन में रूसी तेल पर लगे प्रतिबंधों के कथित उल्लंघन के मामले में भारतीय मर्चेंट नेवी कैप्टन अजय पंत की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 38 वर्षीय पंत को जून में इंग्लिश चैनल में ब्रिटिश बलों द्वारा तेल टैंकर स्मिर्टोंस को रोके जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर ऐसे प्रतिबंधित रूसी तेल या तेल उत्पादों को जहाज के जरिए किसी तीसरे देश तक पहुंचाने का आरोप है, जिसमें दोष साबित होने पर उन्हें अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है।

भारत ने दी कांसुलर मदद

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय कांसुलर अधिकारियों ने हिरासत में पंत से मुलाकात कर उनकी स्थिति की जानकारी ली है। भारतीय हाई कमिशन, लंदन ने उत्तराखंड सरकार को बताया था कि पंत को एचएसपी विनरेक्टर में न्यायिक हिरासत में रखा गया है। भारतीय हाई कमिशन ने ब्रिटिश अधिकारियों के सामने कांसुलर एक्सेस, पंत की सुरक्षा और उनके अधिकारों का मुद्दा भी उठाया है। अधिकारियों ने उनकी पत्नी, वकीलों और उनकी नियोक्ता कंपनी एनडिगोस मैरीटाइम प्राइवेट लिमिटेड के संपर्क में रहने की बात कही है। कंपनी ने पंत को कानूनी सहायता देने और उनके परिवार की मदद करने का भरोसा दिया है।

अजय पंत

गिरफ्तारी के बाद पत्नी को फोन कर रो पड़े थे पंत

गिरफ्तारी के बाद से उत्तराखंड के नैनीताल जिले के रामनगर निवासी अजय पंत को जमानत नहीं मिली है और वह हिरासत में हैं। उनकी पत्नी रितु के उनके पति ने फोन पर रोते हुए कहा कि मैं जेल में हूँ, मुझे यहां से बाहर निकालो। पंत का ट्रायल 15 दिसंबर से शुरू होने वाला है। स्मिर्टोंस को 14 जून को इंग्लिश चैनल में ब्रिटिश कमांडों ने रोका था। आरोप है कि यह जहाज रूस की कथित 'घोस्ट फ्लीट' का हिस्सा था। इस तरह के जहाजों पर रूस के खिलाफ लगाए गए तेल प्रतिबंधों से बचने के लिए इस्तेमाल किए जाने का आरोप है।

देश में एलपीजी नेटवर्क होगा मजबूत, 6 राज्यों को होगा जबरदस्त फायदा

तेजी से एलपीजी ईंधन की आपूर्ति होगी

एजेसी ►► नई दिल्ली

ऊर्जा सुरक्षा के लिए तेल क्षेत्र के नियामक ने 7,000 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश से लगभग 1,800 किलोमीटर लंबी नई एलपीजी पाइपलाइनों के विकास को मंजूरी दे दी है। इससे देश के 'कॉमन-कैरियर' एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क में लगभग एक-चौथाई का विस्तार होगा। इस पहल का मकसद ईंधन आपूर्ति को अधिक लचीला बनाना और सड़क परिवहन पर निर्भरता कम करना है।

7000 करोड़ की लागत से बनेंगी 1800 किमी की नई पाइपलाइन

सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होगी

एलपीजी पाइपलाइन

नेटवर्क को गेल (इंडिया) लिमिटेड विकसित करेगी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने एक बयान में कहा कि उसने तेलंगाना, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक और गोवा में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तीन एलपीजी पाइपलाइन परियोजनाओं की मंजूरी दी है। सरकारी कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा विकसित की जाने वाली इन परियोजनाओं से पीएनजीआरबी द्वारा अधिकृत कॉमन-कैरियर एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क लगभग 7,700 किलोमीटर से बढ़कर लगभग 9,500 किलोमीटर हो जाएगा, जो लगभग 23.5 प्रतिशत की वृद्धि है। आपूर्ति में आएगी ज्यादा स्थिरता भारत एलपीजी की जरूरत का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में देश के भीतर मजबूत पाइपलाइन नेटवर्क जरूरी है। नई पाइपलाइनें तटीय आयात केंद्रों को बड़े खपत वाले क्षेत्रों से जोड़ेंगी। इससे मांग बढ़ने या किसी आपात स्थिति में एलपीजी की आपूर्ति बनाए रखने में मदद मिल सकती है।



Dr. Ortho®



Spinal Support For Pain-Free Sleep



DR. ORTHO REGULAR

Size: 72"x72"x4" MRP: ₹12489/-



DR. ORTHO PREMIUM

Size: 72"x72"x5" MRP: ₹20800/-



Orthopaedic Support Promotes Proper Spinal Alignment



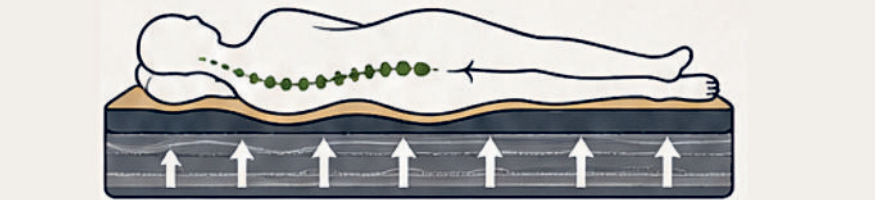
Pain Relief Helps Reduce Back & Body Pain



Breathable Comfort Better Airflow For Comfortable Sleep



Durable & Reliable Built For Long-lasting Performance



Dr. Ortho Orthopaedic Mattresses are designed to give your body the perfect support and comfort it needs for a deep, pain-free sleep

Contact For Dealership: 85588 07777 • dealership@divisa.in

हरिभूमि कम्प्यूटेशनल प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहताक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहताक-124001 से प्रकाशित। संपादक: डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28